पेज : 2

पेज : 7

राष्ट्रीय हिंदी दैनिक

सबसे बड़ी खबर

# भत्य खबर

RNI No.- DELHIN/2016/68043

नई दिल्ली संस्करण, नई दिल्ली, गुरुवार, 20 मार्च 2025, वर्ष : 8, अंक : 354 पृष्ठ : 08, मूल्य : 02 रुपया

नई दिल्ली से प्रकाशित व दिल्ली, एनसीआर, यूपी, उत्तराखंड, हरियाणा, पंजाब, बिहार, झारखण्ड, महाराष्ट्र, गुजरात में प्रसारित

## अखिलेश यादव का दावा, महाकुंभ में हजार से ज्यादा श्रृद्धालु लापता, प्रयागराज में अभी भी पोस्टर लगे हुए हैं

**प्रयागराज:** लोकसभा में पीएम मोदी के महाकुंभ वाले बयान पर समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि यह अच्छी बात है कि हम सभी को महाकुंभ और कुंभ बार-बार याद आता है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि भारत सरकार ने महाकुंभ के आयोजन के लिए कितना बजट दिया। मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री सिर्फ यह व्यवस्था कर रहे थे कि वाहन कहां पार्क किए जाएंगे। उन्होंने दावा किया कि लोगों को रोका जा रहा था, उन्हें सीमा में प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा था। सपा प्रमुख ने कहा कि भाजपा और उसके लोगों को कम से कम उन श्रद्धालुओं के परिवारों की मदद करनी चाहिए जिनके परिवार के सदस्य खो गए हैं और अभी भी करीब 1000 हिंदू लापता हैं। भाजपा को लापता 1000 हिंदुओं की जानकारी उनके परिवारों को देनी चाहिए।

# तेलंगाना को राहुल गांधी ने बनाया मॉडल, कहा- अब देश में जाति जनगणना कोई नहीं रोक सकता; केंद्र से की बड़ी मांग

**नई दिल्ली (एजेंसी):** कांग्रेस के सामाजिक आधार के दायरे को विस्तार देने की रणनीति के पिछले कुछ अर्से से देश में जातीय जनगणना की आवाज बुलंद कर रहे लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी को तेलंगाना सरकार के ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के विधानसभा में पारित बिल का साथ मिल गया है। तेलंगाना की कांग्रेस सरकार के राज्य में जातीय जनगणना कराने के बाद ओबीसी आरक्षण को बढ़ाकर 42 प्रतिशत करने के पारित प्रस्ताव को राहुल गांधी ने देश में सामाजिक न्याय के मॉडल के रूप में अपनाए जाने की पैरोकारी की है। जाति जनगणना से ही उचित हक मिलेगा कांग्रेस नेता ने तेलंगाना की इस पहल के सहारे केंद्र सरकार पर भी जातीय जनगणना कराए जाने का दबाव डालने की सियासत तेज करने के अपने इरादे साफ करते हुए कहा

कि अब इसे कोई रोक नहीं सकता। राहुल गांधी ने तेलंगाना में ओबीसी आरक्षण की सीमा बढ़ाने के पारित विधेयक का हवाला देते हुए जाति जनगणना के लिए केंद्र पर दबाव बनाने की अपनी रणनीति के तहत यह कहने से भी गुरेज नहीं किया कि जातिगत जनगणना से ही पिछड़े और वंचित समुदायों को उनका उचित हक मिल सकता है। कांग्रेस का वादा पूराः राहुल गांधी तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार द्वारा सोमवार को विधानसभा में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने संबंधी बिल पारित किए जाने के बाद मंगलवार को नेता विपक्ष ने एक्स पर पोस्ट में इसे ओबीसी आरक्षण का कांग्रेस का वादा पूरा करने के रूप में पेश किया। राहुल गांधी ने कहा "राज्य में वैज्ञानिक तरीके से हुई जातिगत गिनती से मिली ओबीसी समुदाय की वास्तविक संख्या स्वीकार की गई

**तेलंगाना की पहल को बनाया केंद्र पर दबाव का सियासी अस्त्र**

**ओबीसी आरक्षण कैपिंग हटाने के लिए तेलंगाना बना राहुल गांधी का मॉडल।कांग्रेस नेता ने तेलंगाना की पहल को बनाया केंद्र पर दबाव का सियासी अस्त्र।**

और शिक्षा, रोजगार और राजनीति में उनकी समान भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए विधानसभा में 42 प्रतिशत आरक्षण का बिल पारित किया गया है। सामाजिक न्याय की दिशा में यह वाकई एक क्रांतिकारी कदम है जिसके द्वारा राज्य में आरक्षण पर से 50 प्रतिशत की दीवार भी गिरा दी गई है।"आरक्षण की 50 फीसदी सीमा हटाने की मांग राहुल गांधी कन्याकुमारी से कश्मीर तक की भारत जोड़ो यात्रा और मणिपुर से मुंबई की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के समय से ही कांग्रेस की राजनीति को सामाजिक न्याय के सियासी ट्रैक की ओर मोड़ चुके हैं। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान जातीय जनगणना पार्टी का एक बड़ा मुद्दा रहा। नेता विपक्ष ने इसके बाद भी जातीय जनगणना को कांग्रेस पार्टी के राजनीतिक विमर्श के प्रमुख एजेंडे में रखा है। इसीलिए तेलंगाना की ताजा पहल को तत्काल लपकते हुए राहुल गांधी ने केंद्र सरकार से एक बार फिर आरक्षण की वर्तमान 50 फीसद की अधिकतम सीमा की पाबंदी हटाने की मांग की। तेलंगाना ने रास्ता दिखा दिया कांग्रेस नेता ने अपने बयान में कहा कि जातिगत सर्वेक्षण के डेटा से हर समुदाय के सामाजिक और आर्थिक हालात का विश्लेषण कर ऐसी नीतियां बनाई जाएंगी जिनसे सबकी बेहतरी सुनिश्चित हो। तेलंगाना सरकार ने इसके लिए एक स्वतंत्र विशेषज्ञ समूह भी बनाया है। उन्होंने कहा कि लगातार वे कह रहे कि एक्सरे यानि जातिगत जनगणना से ही पिछड़े और वंचित समुदायों को उनका उचित हक मिल सकता है। तेलंगाना ने रास्ता दिखा दिया है। यही पूरे देश की जरूरत है और हम भारत में जाति जनगणना करवाकर रहेंगे।

# कर्नाटक विधानसभा ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ पारित किया प्रस्ताव, बीजेपी का वॉकआउट

**कर्नाटक (एजेंसी):** कर्नाटक विधानसभा ने बुधवार को वक्फ (संशोधन) विधेयक के खिलाफ प्रस्ताव पारित किया। समाचार एजेंसी एएनआई के अनुसार, राज्य के कानून मंत्री एचके पाटिल ने यह विधेयक पेश किया। इस दौरान विपक्षी दल भाजपा के बहिर्गमन किया। इससे पहले, एच के पाटिल ने एक बयान में कहा कि सदन ने सर्वसम्मति से वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को खारिज कर दिया क्योंकि यह राज्य के लोगों की सार्वभौमिक आकांक्षाओं के पूरी तरह खिलाफ है और उन्होंने केंद्र से इस कानून को वापस लेने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा, "यह अधिनियम देश के सभी वर्गों के लोगों की आकांक्षाओं और अवसरों को प्रतिबिंबित नहीं करता है। यह सदन सर्वसम्मति से

वक्फ अधिनियम में संशोधन को अस्वीकार करता है क्योंकि यह एक ऐसा अधिनियम है जो कर्नाटक के लोगों की सार्वभौमिक आकांक्षाओं और धर्मनिरपेक्ष सिद्धांतों के पूरी तरह से खिलाफ है। इस संदर्भ में, यह सदन सर्वसम्मति से केंद्र सरकार से अनुरोध करता है कि वह वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को तुरंत वापस लेकर देश के सर्वसम्मत विचारों का सम्मान करते हुए बिना देरी किए कार्रवाई करे।" दूसरी ओर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को विपक्षी दलों पर वक्फ अधिनियम में प्रस्तावित संशोधनों पर मुसलमानों को गुमराह करने का आरोप लगाया और दावा किया कि यह विधेयक को संसद से मंजूर हो

**एच के पाटिल ने एक बयान में कहा कि सदन ने सर्वसम्मति से वक्फ (संशोधन) विधेयक, 2024 को खारिज कर दिया क्योंकि यह राज्य के लोगों की सार्वभौमिक आकांक्षाओं के पूरी तरह खिलाफ है और उन्होंने केंद्र से इस कानून को वापस लेने का आग्रह किया है**

जाने पर भी स्पष्ट स्वामित्व वाली वक्फ संपत्तियों की एक इंच (जमीन) नहीं ली जायेगी। सत्तारूढ़ भाजपा ने यह आरोप तब लगाया है जब ह्यऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के नेतृत्व में यहां कई मुस्लिम संगठन वक्फ (संशोधन) विधेयक का विरोध रहे हैं और उनका समर्थन करते हुए कई सांसद भी विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए हैं।

# कल इन लोगों के सरकार खातों में डालेगी 150 करोड़ रुपये, 70 हजार गरीबों को मिलेगा ये खास फायदा

**चंडीगढ़ (एजेंसी):** हरियाणा के गरीब लोगों के लिए एक खुशी की खबर सामने आई हैं। प्रदेश के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पीएम आवास योजना के तहत गरीबों को मकान बनाने के लिए लगभग 70 हजार लाभार्थियों के बैंक खातों में 150 करोड़ रुपये आगामी 20 मार्च तक डाल दिए जाएंगे। सीएम ने मंगलवार को हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र में विधायक शीशपाल केहरवाल द्वारा पूछे गए प्रश्न के जवाब में कहा कि योजना का लाभ उठाने के लिए स्वयं को पोर्टल पर पंजीकृत करने वाले लोगों के सत्यापन का काम पूरा हो गया है। बृहस्पतिवार तक किस्त उनके खाते में भेज दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रदेश में गरीब लोगों को आवास सुविधा उपलब्ध करवाने के उद्देश्य

से एक पोर्टल बनाया हुआ है। इस पर पंजीकरण के बाद आवेदक को सत्यापित किया जाता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान देने की गारंटी किसी की है तो वह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की है। कांग्रेस विधायक डॉ. रघुबीर सिंह कादियान द्वारा उठाए गए एक सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय में वृद्धावस्था सम्मान भत्ता योजना का लाभ लेने के लिए बुजुर्गों को लंबा इंतजार करना पड़ता था कि कब उनकी पेंशन आएगी। आज हमने ऐसी व्यवस्था कर दी है कि जैसे ही कोई व्यक्ति 60 वर्ष की आयु पूरी करता है तो उसकी पेंशन अपने आप बन जाती है। अब पेंशन के लिए किसी बुजुर्ग को इंतजार नहीं

**हरियाणा के गरीब लोगों के लिए एक खुशी की खबर सामने आई हैं। प्रदेश के सीएम नायब सिंह सैनी ने कहा है कि पीएम आवास योजना के तहत गरीबों को मकान बनाने के लिए लगभग 70 हजार लाभार्थियों के बैंक खातों में**

करना पड़ता है।नगर निगम गुरुग्राम के आयुक्त अशोक कुमार गर्ग ने बताया कि शहर में घर की चाहत रखने वालों के लिए यह अच्छी खबर है। केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री आवास योजना पार्ट टू शुरू की है। इसके लिए आवेदन मांगे गए हैं। विशेष बात यह है कि इस योजना में केवल बीपीएल ही नहीं, बल्कि अन्य मध्यम वर्गीय परिवार भी आवेदन कर सकते हैं।

# दिल्ली में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए बीजेपी कोई कसर नहीं छोड़ेगी: रेखा गुप्ता

**नई दिल्ली (एजेंसी):** दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में नयी सरकार सभी नालों से गाद निकालने और बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या से निपटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। उपराज्यपाल वी के सक्सेना, लोक निर्माण मंत्री प्रवेश वर्मा और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री ने सुनहरी पुल नाले से गाद निकालने के कार्य का निरीक्षण किया। दिल्ली में पूर्ववर्ती आम आदमी पार्टी (आप) सरकार के कार्यकाल में गाद निकालने का काम नहीं होने का दावा करते हुए गुप्ता ने कहा कि अब भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को ह्यद्वशून्य" से शुरू करके काम पूरा करना होगा। उन्होंने यह भी कहा कि पानी की पाइपलाइन और लीकेज की हालत ऐसी है कि लगभग आधे शहर को टैंकर के माध्यम से पानी मिल रहा है। गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी के नेतृत्व में भाजपा की ह्यडबल इंजन' सरकार इन सभी चीजों को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है और इस पर काम करना शुरू भी कर दिया है। उपराज्यपाल, मुख्यमंत्री और लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री ने दो दिन पहले ही दक्षिणी दिल्ली में सुनहरी पुल नाले का निरीक्षण किया था। बुधवार को वे फिर से गाद निकालने के काम का निरीक्षण करने के लिए मौके पर गए। गुप्ता ने संवाददाताओं से कहा, इस नाले को बनाने वालों ने इसे कम से कम 15 इंच मोटे कंक्रीट के स्लैब से ढककर गाद निकालने के बारे में कुछ नहीं सोचा। इस कारण आस-पास की कॉलोनियों में पानी भर जाता है।"

# राशन कार्ड को लेकर घिरीं राज्य सरकारें, सुप्रीम कोर्ट ने पूछा- अगर ये सच है तो 75 फीसदी आबादी बीपीएल में क्यों?

**नई दिल्ली (एजेंसी):** सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि जब राज्यों से विकास सूचकांक बताने के लिए कहा गया तो उन्होंने प्रति व्यक्ति वृद्धि दर ऊंची दिखाई, लेकिन जब सब्सिडी की बात आई तो उन्होंने दावा किया कि उनकी 75 प्रतिशत आबादी गरीबी रेखा से नीचे (बीपीएल) है। अदालत ने कहा कि सब्सिडी का लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचने चाहिए। जस्टिस सूर्य कांत और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की पीठ ने कहा, 'हमारी चिंता यह है कि क्या गरीबों को मिलने वाले लाभ उन लोगों तक पहुंच रहे हैं जो इसके हकदार नहीं हैं? राशन कार्ड अब लोकप्रियता का कार्ड बन गया है।' 75 प्रतिशत आबादी बीपीएल कैसे? पीठ ने कहा, 'ये राज्य सिर्फ इतना कहते हैं कि हमने इतने कार्ड जारी किए हैं। कुछ राज्य ऐसे हैं जो जब अपना विकास दिखाना चाहते हैं तो कहते हैं कि हमारी प्रति व्यक्ति आय बढ़ रही है। फिर जब हम बीपीएल की बात करते हैं तो वे कहते हैं कि 75 प्रतिशत आबादी बीपीएल है। इन तथ्यों को कैसे जोड़ा

जा सकता है? विरोधाभास अंतर्निहित है। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लाभ वास्तविक लाभार्थियों तक पहुंचे।' यह केस कोविड-19 महामारी के दौरान प्रवासी कामगारों की परेशानियों को दूर करने के लिए शुरू किए गए एक स्वतः संज्ञान मामले से संबंधित है। कुछ हस्तक्षेपकताओं की ओर से पेश अधिवक्ता प्रशांत भूषण ने कहा कि यह विसंगति लोगों की आय में असमानताओं से उपजी है। उन्होंने कहा कि मुट्ठीभर लोग हैं, जिनके पास अन्य आबादी की तुलना में बहुत अधिक संपत्ति है और प्रति व्यक्ति आय का आंकड़ा राज्य की कुल आय का औसत है। अमीर और अमीर होते जा रहे हैं, जबकि गरीब गरीब ही बने हुए हैं। राशन कार्ड जारी करने में राजनीतिक तत्व न हों शामिल भूषण ने कहा कि सरकार के ई-श्रम पोर्टल पर पंजीकृत गरीब प्रवासी कामगारों को मुफ्त राशन दिए जाने की जरूरत है और यह आंकड़ा लभगग आठ करोड़ है। जस्टिस सूर्य कांत ने कहा कि हमें उम्मीद है कि राशन कार्ड जारी करने में राजनीतिक तत्व शामिल नहीं होंगे। मैं अपनी जड़ों से नहीं कटा हूं। मैं हमेशा गरीबों की दुर्दशा के बारे में जानना चाहता हूं। अभी भी ऐसे परिवार हैं जो गरीब हैं। 81 करोड़ लोगों को दिया जा रहा मुफ्त राशन भूषण ने कहा कि केंद्र ने 2021 की जनगणना नहीं कराई और 2011 की जनगणना के आंकड़ों के आधार पर काम कर रही है। इसके परिणामस्वरूप मुफ्त राशन की जरूरत वाले करीब 10 करोड़ लोग बीपीएल श्रेणी से बाहर रह गए। जबकि केंद्र की ओर से एएसजी ऐश्वर्य भाटी ने कहा कि सरकार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के तहत करीब 81.35 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन दे रही है और इसी तरह की एक अन्य योजना में 11 करोड़ अन्य लोग शामिल हैं। पीठ ने मामले को स्थगित कर दिया और केंद्र से गरीबों को वितरित मुफ्त राशन की स्थिति पर अपना जवाब दाखिल करने को कहा।

# 'राजस्व चोरी रोकने के लिए तैयार की जाए एसओपी', सीएम योगी ने अधिकारियों को दिए निर्देश

**लखनऊ (एजेंसी):** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि राजस्व चोरी राष्ट्रीय क्षति है। कर चोरी रोकने के लिए सर्वे और छापेमारी करने वाली टीम में दक्ष और कर्मठ अधिकारियों व कर्मचारियों को शामिल किया जाए। कार्रवाई की सफलता के लिए उसकी गोपनीयता के प्रति अधिकारी सतर्क रहें। कर चोरी रोकने की दृष्टि से क्षेत्रवार रणनीति बनाई जाए। इसके लिए गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम और मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) तैयार की जाए। मुख्यमंत्री ने मंगलवार की रात को राज्यकर विभाग की समीक्षा करते हुए कहा कि कर प्रशासन में पारदर्शिता और दक्षता लाने के लिए प्रदेश में अपनाई गई आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआइ) आधारित रिटर्न स्क्रूटनी विभिन्न राज्यों के लिए माडल बन गई है। ऐसे नवाचार आगे भी किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों से संवाद बनाकर टीम भावना के साथ राजस्व संग्रह के लिए तय लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रयास किए जाएं। सभी के प्रयासों से प्रदेश में जीएसटी/वैट संग्रह में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। वर्ष 2025-26 के लिए 1.75 लाख करोड़ रुपये राजस्व संग्रह के लक्ष्य को पाने के लिए मिशन मोड में

नियोजित प्रयास किए जाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश में जीएसटी में पंजीकृत व्यापारियों

**रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव ने विपक्ष को नसीहत दी। रेल मंत्री ने कहा कि भारत में रेल किराया पड़ोसी देशों की तुलना में काफी कम है। रेल मंत्री ने कहा कि रेलवे और रक्षा पर राजनीति नहीं की जानी चाहिए।**

**उन्होंने दावा किया कि पिछले 10 सालों में पांच लाख से**

की संख्या देश में सर्वाधिक है। वर्ष 2023-24 में कुल पंजीकृत व्यापारियों की संख्या 17.2 लाख थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 19.9 लाख हो चुकी है। पंजीयन आधार को अधिकाधिक बढ़ाने का प्रयास निरंतर जारी रखा जाए और व्यापारियों से निरंतर संवाद बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि जीएसटी रिटर्न दाखिल करना हर व्यापारी का कर्तव्य है। यह सुखद है कि उत्तर प्रदेश रिटर्न दाखिल करने में देश के अग्रणी राज्यों में शामिल है। व्यापारियों को रिटर्न दाखिल करने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जीएसटी पंजीकृत व्यापारियों के कल्याण के लिए संकल्पित है। दुर्घटना में व्यापारी की मृत्यु, आंशिक व पूर्ण विकलांगता की स्थिति में नामिनी अथवा उत्तराधिकारी और व्यापारी को राज्य सरकार द्वारा 10 लाख रुपये तक की आर्थिक सहायता दी जा रही है। पात्र व्यापारियों व उनके स्वजन को संवेदनशीलता के साथ योजना का लाभ दिलाया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वाधिक टैक्स देने वाले लोगों को विभाग सम्मानित करे। यह कार्यक्रम प्रदेश, जोन, मंडल व जनपद स्तर पर आयोजित किए जाएं। राज्य कर विभाग के इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के कार्यों को तेजी से आगे बढ़ाया जाए तथा पर्याप्त मैनपावर सुनिश्चित किया जाए।

# जलवायु परिवर्तन : गड़बड़ा सकती है आर्थिकी

पंकज चतुर्वेदी

**पर्याप्त ठंड न पड़ने, जाड़े मे होने वाली बरसात के न आने और फरवरी में ही गर्मी का असर मध्य भारत के खेतों में रबी की फसल पर कीट के रूप में सामने आ रहा है। विशेष रूप से गेहूं में चंडवा, सरसों, मटर और चना की फसलों में माहू और इल्ली का प्रकोप बढ़ गया है, जिसके कारण इन फसलों में फूल गिरने लगे हैं, और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कीटों के कारण आगामी दिनों में चना, मटर और सरसों का उत्पादन 30 प्रतिशत तक घट सकता है।**

तमिलनाडु का धरमपुर रेशम के लिए मशहूर है। यहां सालाना लगभग 17 लाख टन रेशम कोकून की पैदावार होती है।

पिछले कुछ हफ्तों में जिले भर में कोहरे और खराब जलवायु परिस्थितियों ने ऐसा डेरा डाला कि कोकून की कीमत में भारी वृद्धि हो गई। फरवरी के दूसरे हफ्ते में इसके दाम 857 प्रति किग्रा. दर्ज किए गए जबकि इस समय औसत कीमत 520 रुपये से अधिक नहीं होती।

आम तौर पर इस समय इलाके का मौसम खुला रहता है लेकिन इस बार गहने कोहरे और पाले से कोकून में नमी आ गई। इसके चलते अच्छी गुणवत्ता वाले रेशम का संकट दिखने लगा और दाम चढ़ गए। बदलते मौसम का असर शहतूत के पेड़ों पर भी देखा गया। विदित हो रेशम के कीड़ों का आहार शहतूत ही होता है। मंडी में आवक काम और दाम ज्यादा होने से बुनकर भी परेशान हैं। धर्मपुरी का रेशम तो एक उदाहरण भर है कि किस तरह समय से पहले गर्मी आने का व्यापक कुप्रभाव समाज पर पड़ रहा है।

प्रवासी पक्षियों का पहले लौटना, सड़क के कुत्ते और अन्य जानवरों के व्यवहार में अचानक उग्रता और रबी की फसल की पौष्टिकता में कमी, कुछ और ऐसे कुप्रभाव हैं, जो जलवायु परिवर्तन के कारण हमारे यहां दिखने लगे हैं। इस साल इतिहास में तीसरा सबसे गर्म जनवरी और फरवरी रहा। जनवरी में देश में बारिश 70% कम रही। पहाड़ी राज्यों में बारिश और बर्फबारी 80% तक कम रही। फरवरी के आखिरी हफ्ते में विदर्भ से ले कर तेलंगाना तक 40 की तरफ दौड़ते तापमान ने लू का अहसास करवा दिया। मार्च के दूसरे हफ्ते में ऐन होली पर बरसात और ओलावृष्टि ने फसल का नुकसान दुगुना कर दिया। उसके बाद फिर गर्मी तेवर दिखा रही है।

मौसम विभाग के मुताबिक अगले तीन हफ्तों में देश के अधिकांश हिस्सों में औसत तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। उत्तराखंड के पवित्र तीर्थस्थल केदारनाथ में इस वर्ष पिछले 10 वर्षों में सबसे कम बर्फबारी दर्ज की गई है। इस बार सर्दियों में यहां सिर्फ दो फीट बर्फबारी हुई है, जो बीते वर्षों के मुकाबले काफी कम है। वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने इस पर चिंता जताई है, क्योंकि इससे न केवल क्षेत्र की पारिस्थितिकी प्रभावित होगी, बल्कि जल स्रोतों पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

बीते 10 वर्षों में केदारनाथ में बर्फबारी का पैटर्न बदलता दिखा है। जहां 2015 में आठ फीट बर्फ गिरी थी, वहीं 2025 में यह घट कर मात्र दो फीट रह गई है। कम बर्फबारी

और जल्द गर्मी से ग्लेशियर जल्दी पिघलेंगे और गंगा-यमुना जैसी नदियों का जल प्रवाह प्रभावित होगा। केदारनाथ क्षेत्र में पाई जाने वाली दुर्लभ वनस्पतियां और वृक्ष कम बर्फबारी के कारण प्रभावित हो सकते हैं। इससे इस क्षेत्र की पारिस्थितिकी पर नकारात्मक असर पड़ेगा। कम बर्फबारी का मतलब है कि गर्मियों में जल स्रेतों में कमी आएगी जिससे पानी की किल्लत हो सकती है।

जलवायु परिवर्तन का असर किस कदर पहाड़ों पर है, इसका उदाहरण इन दिनों धौलछीना के इर्द-गिर्द और बिनसर अभयारण्य के जंगलों में साफ दिख रहा है। पहाड़ में अक्सर फरवरी के दूसरे पखवाड़े से मार्च में खिलने वाला बुरांस का फूल इस बार जनवरी में ही खिल गया था। इससे लोग हैरत में हैं और मौसम चक्र में परिवर्तन को इसकी वजह मानते हैं। जंगलों में कई जगह काफल फरवरी में ही पकने लगा था। आम तौर पर पहाड़ के जंगलों में बुरांस का फूल 15 मार्च के बाद भी खिलता है। इसके बाद ही मार्च के दूसरे पखवाड़े और अप्रैल में काफल पकता है। मगर अब प्रकृति अपना अलग रंग दिखा रही है। हैरान करने वाली बात यह है कि इस बार जनवरी के पहले पखवाड़े से ही धौलछीना के आसपास तथा बिनसर अभयारण्य के जंगलों में बुरांस खिल गया। ठीक इसी तरह से हिमाचल प्रदेश में भी बुरांस और काफल समय से बहुत पहले जनवरी में फल-फूल गए। जलवायु बदलाव का असर असम के धुबरी जिले में अजीब ही तरह से देखा जा रहा है। यहां बहने वाली ब्रह्मपुत्र नदी में अचानक हिल्सा मछलियों की संख्या बढ़ती देखी जा रही है, जो जनवरी-फरवरी के महीनों में अस्वाभाविक है। वास्तव में इसका समय मई, जून, जुलाई और अगस्त होता है। विदित हो कि हिल्सा मछलियां समुद्र के मुहाने से अक्टूबर में ब्रह्मपुत्र नदी में अंडे देने के लिए बंगाल की खाड़ी से आती हैं। हालांकि, मौसम और प्रकृति में अस्वाभाविक परिवर्तन और ब्रह्मपुत्र नदी के धीरे-धीरे सूखने के कारण हिल्सा मछलियां इस साल जनवरी के अंत से नदी में चढ़ने लगी हैं।

पर्याप्त ठंड न पड़ने, जाड़े में होने वाली बरसात के न आने और फरवरी में ही गर्मी का असर मध्य भारत के खेतों में रबी की फसल पर कीट के रूप में सामने आ रहा है। विशेष रूप से गेहूं में चंडवा, सरसों, मटर और चना की फसलों में माहू और इल्ली का प्रकोप बढ़ गया है, जिसके कारण इन फसलों में फूल गिरने लगे हैं, और किसानों को भारी नुकसान हो रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन कीटों के कारण आगामी दिनों में चना, मटर और सरसों का उत्पादन 30 प्रतिशत तक घट सकता है। सब्जी भी गर्मी के प्रकोप से बची नहीं रही। मिर्च, टमाटर, बैंगन, भिंडी जैसी सब्जी फसलों में भी माहू का प्रकोप बढ़ गया है। शाम होते ही अब खेत के करीब की सड़कों से निकलना मुश्किल है क्योंकि वाहनों की रोशनी होते ही माहू कीट के घने झुंड आ जाते हैं। कीट से बचने के लिए यदि किसान कीटनाशक का इस्तेमाल करता है, तो एक तो लागत बढ़ती है, दूसरा, गुणवत्ता भी प्रभावित होती है।

कश्मीर में गर्मी के कारण सेब फल से ले कर केसर तक की खेती बुरी तरह प्रभावित हुई हैं। वहां जमीन शुष्क है, और तालाब-झरने सूख गए हैं। उधर केरल के लिए चेतावनी है कि आम तौर पर मार्च-अप्रैल में आने वाली हीटवेव जैसी स्थिति इस साल राज्य में पहले ही आ गई। जनवरी के आखिरी सप्ताह में कन्नूर में दिन का तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस और कोट्टायम में 36.5 डिग्री सेल्सियस तक जा पहुंचा था। आईएमडी ने भी चेतावनी जारी की है कि तापमान में वृद्धि जारी रहेगी जो केरल के जलवायु पैटर्न में चिंताजनक बदलाव को दर्शा रहा है। मौसम के बदलते मिजाज से आम लोगों की रोजी-रोटी के साधन, व्यवहार और स्वास्थ्य, तीनों प्रभावित हो रहे हैं। वैसे तो हर राज्य ने जलवायु परिवर्तन से निबटने की दसवर्षीय कार्य योजनाएं बना रखी हैं, लेकिन फिलहाल उनके असर जमीन पर कहीं नहीं दिख रहे।

(लेख में विचार निजी हैं)

## संपादकीय

# बट्टे खातों की राजनीति

अमृता आर. पंडित

केंद्रीय वित्त मंत्री सीतारमण ने संसद में बताया कि बीते दस सालों में बैंकों ने 16.35 लाख करोड़ रुपये बट्टे खाते में डाले हैं। गैर-निष्पादित परिसंपत्तियों (एनपीए) को बैंक बट्टे खाते में डालते हैं। आंकड़ों के अनुसार 2014-15 में यह रकम लगभग 59 हजार करोड़ थी, जो 2023-24 में 1.70 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई। सदन में बड़े कर्जदारों और औद्योगिक घरानों के लिए बट्टे खातों में डाले गए कर्ज के बारे में प्रश्न पूछे गए थे। वित्त मंत्री ने स्पष्ट किया कि बट्टे खाते में डालने से उधारकताओं को देनदारियों में छूट नहीं मिलती। यह राशि बट्टे खाते में डाली गई कुल राशि का लगभग 57% है। हालांकि कंपनियों के नाम पर आरबीआई अधिनियम, 1934 की धारा 45ई के तहत उधारकर्ता का खुलासा निषिद्ध है। लेकिन बैंकों की तरफ से देय राशि की वसूली के संबंध में उधारकताओं को लगातार फोन किया जाता है, और पत्र/ईमेल भी भेजे जाते हैं। राशि के आधार पर बैंक कॉरपोरेट उधारकताओं के दीवालियापन समाधान के लिए कंपनी लॉ न्यायाधिकरण से भी संपर्क करता है। समय-समय पर सरकार के पक्षपाती रवैये पर ऋणमाफी को लेकर आरोप भी लगते रहते हैं जबकि इसकी तुलना में 2008 में यूपीए सरकार द्वारा मात्र 60 हजार करोड़ रुपये की कृषि माफी से की जा सकती है। सोलह लाख करोड़ रुपये से अधिक की राशि मोदी सरकार के कार्यकाल में बट्टे खाते में डाली गई, जो साल दर-साल बढ़ती नजर आ रही है। सिर्फ बैंकों के बही-खातों को दुरुस्त रखने या मोटी राशि बट्टे खातों में छिपाने से अर्थव्यवस्था प्रधानमंत्री के दावों पर खरी नहीं उतर सकती। जैसा कि सीतारमण ने स्वीकारा भी कि ऋण की देनदारी बनी रहती है, मगर सरकार को सख्त नियम लागू करने में देर नहीं करनी चाहिए। असल सवाल है कि इस विशाल धनराशि के बट्टे खाते में डाले जाने का नुकसान किसको उठाना होगा। बैंकों पर ठीकरा फोड़ना मात्र मन-बहलाव है।

# विश्व गौरैया दिवस : गौरैया के अस्तित्व पर गहराता संकट

हर्षवर्धन पाण्डे

विश्व गौरैया दिवस की अवधारणा की कल्पना एक भारतीय पर्यावरणविद् मोहम्मद दिलावर ने की थी। भारत और दुनिया भर में गौरैयों की आबादी में तेजी से गिरावट के बारे में चिंतित दिलावर ने 2005 में नेचर फॉरएवर सोसाइटी की स्थापना की जो घरेलू गौरैया और अन्य सामान्य वनस्पतियों और जीवों के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध एक गैर-लाभकारी संगठन है। पहला विश्व गौरैया दिवस 20 मार्च, 2010 को मनाया गया था। गिरती गौरैया की आबादी के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व गौरैया दिवस का बहुत महत्व है। यह दिन पर्यावरण के साथ गौरैयों के परस्पर जुड़ाव, जैव विविधता और पारिस्थितिक संतुलन को बढ़ावा देने पर जोर देता है। यह सामुदायिक जुड़ाव, शैक्षिक कार्यक्रमों और नीति की वकालत के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है,जिसमें गौरैयों के सामने आने वाली चुनौतियों का समाधान करने के लिए सामूहिक प्रयासों का आग्रह किया जाता है।

घरेलू गौरैया दुनिया में सबसे व्यापक और सामान्य तौर पर देखा जाने वाला जंगली पक्षी है।इसे यूरोपीय लोगों द्वारा दुनिया भर में पहुँचाया गया और अब इसे न्यूजीलैंड, ऑस्ट्रेलिया, उत्तरी अमेरिका, भारत और यूरोप सहित दुनिया के दो-तिहाई भूभाग पर देखा जा सकता है।यह केवल चीन, इंडो-चीन, जापान एवं साइबेरिया और पूर्वी व उष्णकटिबंधीय अफ्रीका आदि क्षेत्रों में अनुपस्थित है। दुनियाभर में गौरैया की दर्जनों प्रजातियां हैंलेकिन भारत में हाउस स्पैरो, स्पेनिश स्पैरो, सिउ स्पैरो, रसेट स्पैरो, डेट सी स्पैरो व ट्री स्पैरों मिल जाती हैं जिनमें इनमें सबसे अधिक हाउस स्पैरो बहुतायत हैं। गौरैया एक बहुत छोटा पक्षी है जिसका वजन 25 से 40 ग्राम और लंबाई 15 से 18 सेमी होती है जो 50 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से उड़ सकती है।

गौरैया मादाओं की तुलना में अधिक रंगीन होती हैं जिनके पंखों पर काले, सफेद और भूरे रंग के निशान होते हैं। गौरैयाको उनके मधुर गीतों के लिए जाना जाता है, जिनका उपयोग वे साथियों को आकर्षित करने और अपने क्षेत्रों की रक्षा करने के लिए करते हैं। एक गौरैया का औसत जीवनकाल 2 -3 वर्ष है लेकिन कुछ व्यक्ति 5 वर्ष या उससे अधिक तक जीवित रह सकते हैं। गौरैया अपने पूरे जीवन में केवल एक ही साथी के साथ संभोग करती हैं। वे अक्सर साल दर साल एक ही घोंसले के स्थान पर लौटते हैं। घरेलू गौरैया मादा हर साल 4 से 5 अण्डे देती है जिनमें से 12 से 15 दिन बाद बच्चों का जन्म होता है। इनकी एक महत्वपूर्ण क्षमता होती है यह आकाश में उड़ने के साथ-साथ पानी के भीतर तैरने की क्षमता भी रखते हैं। गौरैया झुंडों के रूप में जानी जाने वाले घरों में रहती हैं। गौरैया अपने घोंसले का निर्माण खुद से कर लेती हैं। हाउस स्पैरो मानव आवास के साथ आसानी से जुड़ जाती हैं। नर गौरैया की गर्दन पर काली पटटी व पीठ का रंग तम्बाकू जैसा होता है जबकि मादा की पीठ पर पटटी भूरे रंग की होती है। इनका जीवन सरल घर बनाने की जिम्मेदारी नर की व बच्चों की जिम्मेदारी मादा की होती है।

मौजूदा दौर में गौरैया की आबादी में गिरावट के लिए कई कारकों को जिम्मेदार ठहराया जा सकता है जिनमें शहरीकरण और निर्माण में कंक्रीट के बढ़ते उपयोग के कारण हरित स्थानों में उल्लेखनीय कमी आई है जिससे गौरैया को उनके प्राकृतिक आवासों से वंचित कर दिया गया है। वायु और जल प्रदूषण गौरैया के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। दूषित जल स्रोत और प्रदूषकों से भरी हवा इन पक्षियों में विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन रही है। कृषि और शहरी क्षेत्रों में कीटनाशकों का उपयोग गौरैयों पर हानिकारक प्रभाव डाल रहा है। खेती में मौजूदा दौर में होने वाले रासायनिक उर्वरकों और मोनोकल्चर के उपयोग सहित आधुनिक कृषि पद्धतियाँ गौरैया के लिए खाद्य स्रोतों की उपलब्धता को प्रभावित कर दिया है। गौरैया विलुप्त होने का मुख्य कारण शहरीकरण, रासायनिक प्रदूषण और रेडिएशन को माना जा रहा है। मोबाइल फोन, टॉवरों से निकलने वाली रेडियेशन भी बड़े पैमाने पर गौरैया की मृत्यु के कारण बन रहा है। लगातार हो रहे शहरीकरण, पेड़ों के कटान और फसलों में रासायनिक का छिड़काव गौरैया की विलुप्ति का कारण बन रहा है। फसलों में पड़ने वाले कीटनाशक खतरनाक होते हैं। गौरैया न सिर्फ हमारे आसपास की खूबसूरती का हिस्सा है, बल्कि पर्यावरण के संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। ये कीड़े मकोड़ों को खाकर फसलों की रक्षा करती हैं। हम गौरैया के अनुकूल आवास बनाकर गौरैयों के संरक्षण में योगदान कर सकते हैं। इसमें घोंसले स्थापित करना, जल प्रदान करना और देशी पेड़ और झाड़ियाँ लगाने का योगदान दे सकते हैं।

जैविक और टिकाऊ कृषि प्रथाओं को अपनाने और शहरी क्षेत्रों में कीटनाशकों के उपयोग को कम करने से गौरैयों के लिए सुरक्षित वातावरण बनाने में मदद मिल सकती है। गौरैयों के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में लोगों को शिक्षित करने और इनका संरक्षण करने के लिए प्रेरित करने के लिए विशेष जागरूकता अभियान जनसमुदाय द्वारा चलाये जाने चाहिए। पर्यावरण संरक्षण, हरित स्थानों और टिकाऊ शहरी

नियोजन को बढ़ावा देने वाली नीतियों की वकालत एक अधिक गौरैया-अनुकूल वातावरण बनाने में योगदान कर सकती है। गौरैया संरक्षण प्रयासों में स्थानीय समुदायों को शामिल करने से एक जिम्मेदारी की भावना को बढ़ावा मिलेगा।

गौरैया का पृथ्वी पर प्रकृति का संतुलन बनाए रखने में भी बड़ा योगदान है। बदलते परिवेश में गौरैया अब ग्रामीण क्षेत्रों से लेकर शहर तक देखने को नहीं मिल रही है। दुर्भाग्य की बात है कि इनकी तादात धीरे-धीरे कम हो गई है। पिछले 15 सालों में गौरैया की संख्या में 70 से 80 फीसदी तक की कमी आई है इसलिए जरूरी है इसके संरक्षण के लिए हम सभी अपनी छत पर पर्याप्त दाना-पानी रखें। इसके साथ ही अपने घरों के सास पास अधिक से अधिक पेड़ और पौधे लगाएं। कृत्रिम घोंसलों का निर्माण करें जिससे स्वछंद होकर वे विचरण कर सके। आज जब गौरैया के अस्तित्व पर संकट के बादल मंडरा रहे हैं तब ऐसे में हम सभी की जिम्मेदारी बनती है कि इस नन्हीं सी चिड़िया को बचाने में हम अपना अहम योगदान दें।

## चिंतन-मनन

# कैसे जानेंगे कि आप ताकतवर हैं या कमज़ोर

हमलोगों में एक बड़ी ही अजीब बात है अगर सामने वाला अपने से कमजोर दिखता है तो हम उसकी छोटी सी गलती पर भी भड़क उठते हैं और मार-पीट करने तक के लिए तैयार हो जाते हैं। इसके उलट अगर सामने वाला ताकतवर है तो उसकी बड़ी गलती पर भी खामोश रह जाते हैं। इसकी वजह है हमारी कमजोरी। हम अपनी कमजोरी को छुपाने के लिए ही कमजोर के सामने अपनी ताकत की नुमाईश करते हैं। तकतवर तो वह होता है जो अपनी शक्ति का प्रयोग कमजोर पर नहीं करता है।

इस संदर्भ में एक कथा उल्लेखनीय है। गुरू गोविंद सिंह जी का एक शिष्य था। एक बार वह गुरू जी के पास आकार बोला कि, आज मार्ग में एक दुबले-पतले व्यक्ति ने मेरा अपमान किया। इस पर मैंने उसकी खूब पिटाई की। गुरू जी ने कहा, यह तो तुमने बहुत ही गलत किया। कुछ दिनों बाद वही शिष्य गुरू जी के पास आया और बोला आज एक व्यक्ति ने फिर मेरा अपमान किया, लेकिन मैंने उसे कुछ नहीं कहा।

गुरू जी ने पूछा, वह व्यक्ति कैसा था। शिष्य ने जवाब दिया, काफी हट्टा-कट्टा और तंदुरूस्त था। गुरू गोविंद सिंह जी ने कहा कि, तुमने बहुत ही गलत किया जो उसे अपमान का उत्तर नहीं दिया। गुरू का उत्तर सुनकर शिष्य बड़ा हैरान हुआ और कहा कि, पिछली बार जब मैंने अपमान करने वाले की पिटाई की तब भी आपने मुझे गलत कहा था और इस बार जब मैंने अपमान का कोई उत्तर नहीं दिया तब भी आप मुझे गलत कह रहे हैं। आखिर मुझे करना क्या चाहिए? गुरू जी ने शिष्य को समझाया, पिछली बार तुमने एक कमजोर व्यक्ति की पिटाई की थी। इस बार तुम्हारा अपमान एक सबल व्यक्ति ने किया था। तकतवर व्यक्ति की पहचान यही है कि, वह कमजोर पर हाथ न उठाए और सबल व्यक्ति के द्वार किये गये अपमान को सहन न करे। इस बार तुमने एक सबल व्यक्ति द्वारा किये गये अपमान को सहन कर लिया है इसलिए मैंने तुम्हें गलत कहा है।

# प्लेसमेंट और पैकेज की समस्या से जूझते आज के युवा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

युवाओं के लिए रोजगार के अवसर केवल एक देश की समस्या ना होकर अब वैश्विक समस्या होती जा रही है। रोजगार के लेकर अब तो यह भी बेमानी हो गया है कि आपने कहां से अध्ययन किया है। हालात यह होते जा रहे हैं कि दुनिया के श्रेष्ठतक अध्ययन केन्द्रों के पासआउट युवा भी अच्छे पैकेज के रोजगार के लिए दो चार हो रहे हैं। यह कल्पना या कपोल कल्पित नहीं बल्कि वास्तविकता है कि हार्वर्ड, स्टैनफोर्ड, शिकागो, कोलंबिया, एमआईटी, पेन्सिलवेनिया, एमआईटी जैसे वैश्विक ख्यातनाम संस्थानों से एमबीए करें युवाओं को पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलने की संख्या में तेजी से इजाफा होता जा रहा है। ब्लूमबर्ग ने अमेरिका के सात शीर्ष संस्थानों से एमबीए का अध्ययन कर निकले विद्यार्थियों के प्लेसमेंट को लेकर अध्ययन कर रिपोर्ट में तो यही खुलासा किया है। चौकाने वाली बात यह है कि 2021 की तुलना में 2024 में यह प्रतिशत करीब करीब चार गुणा बढ़ गया है। 2021 में केवल 4 प्रतिशत पासआउट छात्र ही ऐसे थे जिन्हें पासआउट के तीन माह बाद तक ऑफर नहीं मिलता था वह संख्या 2024 तक बढ़कर 15 प्रतिशत हो गई है। अमेरिका के शीर्ष सात संस्थनों में कहीं कहीं तो छह गुणा तक की बढ़ोतरी देखी गई है। यह इसलिए भी चिंताजनक है कि जिन संस्थानों के अध्ययन का स्टेण्डर्ड निर्विवाद समूचे विश्व में श्रेष्ठतम रहा है और जिनकी वैश्विक पहचान है उनकी ही यह हालत है तो आम संस्थानों की क्या होगी? यह अकल्पनीय है। हो सकता है कि ब्लूमबर्ग की रिपोर्ट अतिशयोक्तिपूर्ण हो पर हालात जिस तरह के सामने आ रहे हैं उससे यह साफ हो जाता है कि प्लेसमेंट की समस्या दिन प्रतिदिन गंभीर होती जा रही है।

सवाल केवल प्लेसमेंट तक ही सीमित नहीं हैं अपितु पैकेज में भी लगातार कमी देखी जा रही है। कुछ चंद युवाओं को अच्छा पैकेज मिल जाना इस बात का प्रमाण नहीं हो सकता कि कंपनियों द्वारा युवाओं को अच्छा पैकेज दिया जा रहा है। दरअसल कोरोना के बाद से प्लेसमेंट और पैकेज को लेकर हालात बहुत हद तक बदल गए हैं। यदि हम भारत की ही बात करें तो देश के शीर्ष प्रबध संस्थानों से पासआउट युवाओं को 2022 में औसत 29 लाख का पैकेज मिल रहा था तो वह 2024 आते आते 27 लाख पर आ गया है। यह सबतो देश दुनिया के शीर्ष अध्ययन संस्थानों से पासआउट युवाओं को लेकर है। सामान्य व मध्यस्तरीय संस्थानों से पासआउट युवाओं को मिलने वाला पैकेज तो बहुत ही कम होता जा रहा है। दूसरी और घर बार छोड़कर 90 घंटे तक काम करने को लेकर बहस चल रही है। एक और पिकोक कल्चर, हाईब्रीड सिस्टम और वर्क फ्राम होम से कार्यस्थल पर युवाओं को लाने की जद्दोजहद जारी है तो दूसरी और कम होते अवसर चिंता का विषय बनते जा रहे हैं।

सरकारें लाख प्रयास करें या विपक्षी बेरोजगारी बढ़ने के लाख आरोप प्रत्यारोप लगाये पर लगता है कि प्लेसमेंट, रोजगार और पैकेज का संकट किसी एक देश का नहीं अपितु वैश्विक समस्या बनती जा रही है। इससे युवाओं में कहीं ना कहीं निराशा भी आती जा रही है। हांलाकि हार्वर्ड, शिकागो आदि के संदर्भ शिक्षा के स्तर को लेकर प्रश्न नहीं उठाया जा सकता पर तस्वीर का दूसरा पक्ष यह भी है कि हार्वर्ड, शिकागो या इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं में अध्ययन करने वाले कितने युवा होते हैं तो दूसरी और कितने लोगों के लिए इन संस्थाओं के अध्ययन का खर्च उठाने की क्षमता होती है। जब इस तरह की उच्च गुणवत्ता वाली संस्थाओं से अध्ययन प्राप्त कर निकले युवाओं के सामने ही प्लेसमेंट या पैकेज का संकट आ रहा है तो अन्य संस्थानों से अध्ययन प्राप्त युवाओं की स्थिति क्या होगी यह अपने आपमें सोचनीय हो जाती है।

जहां तक हमारे देश की बात की जाए तो यह साफ हो जाता है कि हमारे यहां एक तरह से अंधी दौड़ चलती है। एक समय था जब कुकुरमुत्ते की तरह प्रबंधन संस्थान खुले और आज हालात यह है कि निजी क्षेत्र में खुले इस तरह के संस्थानों को क्षमता के अनुसार विद्यार्थी ही नहीं मिल रहे हैं। लगभग यही

स्थिति इंजीनियरिंग कालेजों की होती जा रही है। गली गली में फामेर्सी संस्थान खुलते जा रहे हैं। सौ टके का सवाल यह है कि अध्ययन संस्थान खोलने की अनुमति के साथ ही अध्ययन का स्तर भी बनाये रखने के लिए फेकेल्टी को लेकर भी मान्यता देते समय सरकार को गंभीर होना होगा। जब तक स्तरीय अध्ययन उपलब्ध नहीं होगा तब तक हम पास आउट तो करते रहेंगे पर प्लेसमेंट या अच्छे पैकेज की बात करना बेमानी होगा। सरकार को शिकागो, हार्वर्ड कोलंबिया, पेन्सिलवेनिया या इसी तरह की संस्थानों से पासआउट के साथ जो हालात बन रहे हैं उससे समय रहते सबक लेना होगा और अन्य संस्थानों में भी शिक्षण और शोध की गुणवत्ता सुनिश्चित करनी होगी ताकि पासआउट की लंबी फोज नहीं बन सके। युवाओं में नैराश्य भी नहीं आये और देश को योग्य युवा मिल सके।

# क्या है 571 करोड़ का सीसीटीवी फ्रॉड केस? एसीबी के शिकंजे में फंसे सत्येंद्र जैन, हुआ बड़ा एक्शन

**नई दिल्ली।** 571 करोड़ रुपये की सीसीटीवी परियोजना में करोड़ों का घोटाला करने के आरोप में दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने दिल्ली सरकार के पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। 70 विधानसभा क्षेत्रों में 1.4 लाख सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने थे। परियोजना में देरी के कारण भारत इलेक्ट्रानिक्स लिमिटेड (बीईएल) पर लगाए गए 16 करोड़ रुपये के जुमार्ने को सत्येंद्र जैन ने 7 करोड़ रुपये की रिश्वत लेकर मनमाने ढंग से पेनल्टी माफ किया था। मनमोहन पांडेय की शिकायत पर सक्षम प्राधिकारी से अनुमति मिलने के बाद एसीबी ने भ्रष्टाचार अधिनियम व आपराधिक साजिश रचने की धाराओं में केस दर्ज कर लिया है। उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम क धारा 17 ए के तहत मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजने के सतर्कता निदेशालय के प्रस्ताव पर सहमति जताई थी ताकि एसीबी को जैन के खिलाफ केस दर्ज करने व जांच करने की मंजूरी मिल सके। सत्येंद्र जैन मंत्री पद से कब दिया था इस्तीफा? जैन को मई 2022 में मनी लॉन्ड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जमानत पर है। फरवरी 2023 में उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। एसीबी के संयुक्त आयुक्त मधुर कुमार वर्मा का कहना है कि अभी सात करोड़ रिश्वत लेकर 16 करोड़ की पेनल्टी माफ करने का आरोप है। जांच में कई अन्य घोटाले का पता लग सकता है। 70 विधानसभा क्षेत्रों में 1.4 लाख सीसीटीवी लगाने के लिए 571 करोड़ रुपये की परियोजना का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना के नोडल अधिकारी सत्येंद्र जैन थे। एसीबी को शिकायत मिलने पर पहले बीईएल के अधिकारी जितेंद्र कुमार से पूछताछ की गई। 23 अगस्त 2019 को मीडिया रिपोर्ट में बताया गया था कि तत्कालीन दिल्ली सरकार ने सीसीटीवी कैमरों की स्थापना में देरी के लिए बीईएल और उसके ठेकेदारों के खिलाफ 16 करोड़ रुपये का हजार्ना लगाया है। उसी के बाद मामला खुला।

**कितने सीसीटीवी कैमरों का मिला ऑर्डर?**

बीईएल को अतिरिक्त 1.4 लाख कैमरे लगाने के बार-बार आदेश दिए जा रहे थे। सात करोड़ रुपये की रिश्वत उन्हीं ठेकेदारों के माध्यम से दी गई, जिन्हें 1.4 लाख सीसीटीवी कैमरों का ऑर्डर मिला था।

ऐसी कई अन्य शिकायतें भी हैं, जिनमें कहा गया है कि सीसीटीवी स्थापना का पूरा प्रोजेक्ट घटिया तरीके से किया गया था और पीडब्ल्यूडी द्वारा प्रोजेक्ट को अपने हाथ में लेने के समय भी कई सीसीटीवी कैमरे खराब थे। रिश्वत का भुगतान विभिन्न ठेकेदारों के माध्यम से किया गया था, जिसके बाद ठेकेदारों को दिए गए ऑर्डर को भी बढ़ा दिया गया।

## पिस्टल तान 48 सेकेंड में लूटा था रुपये से भरा बैग, पुलिस के हत्थे चढ़े दो शातिर बदमाश

**नई दिल्ली।** चांदनी चौक के कूचा घासी राम में व्यापारी के कर्मचारी से हथियार के बल पर 80 लाख रुपये से भरा बैग लूटने वाले दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उनके कब्जे से लूटी गई रकम, एक पिस्टल और तीन कारतूस भी बरामद किए गए हैं। आरोपितों की पहचान दरिया गंज निवासी मोहम्मद अली और समीर के रूप में हुई है। वारदात में मोहम्मद अली ने स्पॉटर और समीर ने लूट की घटना को अंजाम दिया। आरोपी का पहले से आपराधिक बैकग्राउंड है। बता दें कि मोहम्मद अली ने 2023 में स्पॉटर का ही काम किया था और दस लाख रुपये की लूट की थी। दोनों ने कई दिन तक रेकी की थी और पता था कि बैग में नकदी होगी, लेकिन इन्हें उम्मीद नहीं थी कि बैग में 80 लाख रुपये हो सकते हैं। कर्ज चुकाने के लिए बनाया प्लान लूट के आरोपी अली पर कर्जा चढ़ा हुआ था जिसे चुकाने के लिए उसने लूट की वारदात को अंजाम दिया। दोनों लूटी गई रकम आधी आधी बांटने वाले थे। सोशल मीडिया यूजर्स ने वायरल वीडियो पर प्रतिक्रिया देते बैग में बड़ी रकम लेकर जा रहे शख्स के बारे में चिंता जताई। एक यूजर ने टिप्पणी करते हुए कहा, "80 लाख रुपये बैग में कौन लेकर जाता है? अशोक विहार में लुटेरों ने बुजुर्ग दंपती को बंधक बनाकर की लूट उधर, दूसरी ओर दिल्ली के अशोक विहार से भी इसी तरह की लूट की घटना सामने आई। समाचार एजेंसी पीटीआई के अनुसार, उत्तर-पश्चिमी दिल्ली में हथियारबंद लुटेरे ने एक बुजुर्ग दंपती और घरेलू नौकरानी को बंधक बना लिया और सोना और अन्य कीमती सामान लूट लिया।

## महिला की लाश मिलने से फैली सनसनी, हत्या या सुसाइड? पुलिस जल्द खोलेगी राज

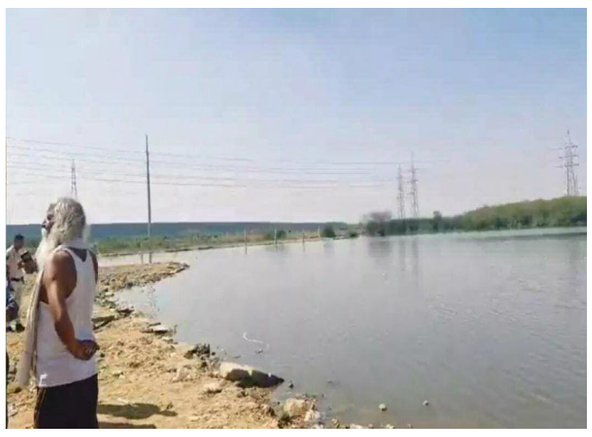

**बाहरी दिल्ली।** बाहरी दिल्ली में कंझावला थाना क्षेत्र में बुधवार को छठ पूजा तालाब से एक महिला का शव मिला है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलिस अधिकारी के मुताबिक, महिला की उम्र करीब 35 वर्ष है। शव की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस स्थानीय लोगों के अलावा दिल्ली के तमाम थानों से जानकारी जुटा रही है। तालाब में तैरता मिला महिला का शव जानकारी के मुताबिक, कराला स्थित शिव विहार से स्थानीय लोगों ने कंझावला थाना पुलिस को जानकारी दी कि जे-3 ब्लाक के पास छठ पूजा तालाब में एक शव तैर रहा है। सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। जहां पुलिस ने पाया कि तालाब में एक महिला का शव तैर रहा है। इस दौरान गोताखोरों की मदद से पुलिस ने तालाब से शव बाहर निकाला। शव की शिनाख्त में जुट गई पुलिस रोहिणी जिला पुलिस अधिकारी ने बताया कि इसकी जानकारी क्राइम और एफएसएल टीम को दी गई। टीम ने जांच के बाद बताया कि शव पर कोई चोट का निशान नहीं मिले हैं। शव को कब्जे में लेकर संजय गांधी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। शव की शिनाख्त में पुलिस जुट गई है।

## दिल्ली में क्यों बढ़ता जा रहा जल संकट? कागजों पर कुछ और हकीकत चौंकाने वाली

**नई दिल्ली।** प्रशासनिक लापरवाही और भ्रष्टाचार के चलते राजधानी में जलस्रोत खत्म होते जा रहे हैं। अधिकतर जलस्रोत अतिक्रमण का शिकार हैं। अवैध अतिक्रमण हटाना और जलस्रोतों को उनके मूल स्वरूप में वापस लाना बड़ी चुनौती है। जलस्रोत अब इस्तेमाल लायक नहीं इसके आगे प्रशासन भी बेबस नजर आ रहा है। यही वजह है कि अधिकतर जलस्रोत अब इस्तेमाल लायक नहीं बचे हैं। प्रशासनिक लापरवाही का अंदाजा दिल्ली वेटलैंड अथॉरिटी की ओर से नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) को सौंपी गई रिपोर्ट से लगाया जा सकता है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, शहर में सूचीबद्ध 50 फीसदी जलस्रोतों का अस्तित्व खत्म हो चुका है। दिल्ली में कागजों पर कुल 1367 जल निकाय वर्ष 2021 में राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार, दिल्ली में 1045 जल निकायों की पहचान की गई है और इसके बाद उपग्रह चित्रों से जियोस्पेशियल दिल्ली लिमिटेड (जीएसडीएल) द्वारा 322 अन्य जल निकायों की पहचान की गई है। इस तरह, दिल्ली में कागजों पर कुल 1367 जल निकाय हैं। लेकिन, जमीनी हकीकत इससे अलग है। 1045 में से, केवल 631 ही अब अस्तित्व में हैं। वहीं, जीएसडीएल द्वारा पहचाने गए 322 में से, केवल 43 ही जमीन पर पाए गए हैं। इस तरह, दिल्ली में वर्तमान में 674 जल निकाय मौजूद हैं। इनमें से भी अधिकांश की हालत दयनीय है। दो साल पहले जल शक्ति मंत्रालय द्वारा जारी सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली में केवल 237 जल निकाय ही उपयोग करने योग्य बचे हैं। अतिक्रमण और अन्य कारणों से, अधिकांश जल स्रोत या तो गायब हो गए हैं या अब उपयोग करने योग्य नहीं हैं। जल निकायों की जमीन पर अतिक्रमण एनजीटी को सौंपी गई रिपोर्ट और जल शक्ति मंत्रालय की सर्वे रिपोर्ट से साफ है कि दिल्ली में जल निकायों को संरक्षित करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। कहीं निजी लोगों ने जल निकायों की जमीन पर अतिक्रमण कर लिया, तो कई जगहों पर सरकारी एजेंसियों ने निर्माण कर लिए। कई जगहों पर कचरा डालकर जल निकायों को नष्ट कर दिया गया। इनके संरक्षण का काम सिर्फ कागजों पर ही हुआ। आम लोग, औद्योगिक इकाइयां और सरकारी एजेंसियां कई जल निकायों में कचरा डालकर उनके पानी को प्रदूषित कर रही हैं। इसे रोकने के लिए उन्हें वेटलैंड्स (संरक्षण और प्रबंधन) नियम 2017 के तहत अधिसूचित किया जाना जरूरी है। दिल्ली वेटलैंड अथॉरिटी द्वारा चिन्हित 20 जल निकायों को इस नियम के तहत लाया जाना है, जिनमें संजय झील, हौज खास झील, भलस्वा झील, टिकरी खुर्द झील, वेलकम झील, दरियापुर कलां, सरदार सरोवर झील शामिल हैं। लेकिन आज तक इनमें से एक भी इसके तहत अधिसूचित नहीं हुआ है। सरकार की लापरवाही नेचुरल हेरिटेज फर्स्ट के संयोजक दीवान सिंह का कहना है कि सरकार की इच्छा शक्ति की कमी के कारण दिल्ली के जलस्रोत खत्म होते जा रहे हैं। तालाबों को पुनर्जीवित करने का अधिकार समुदाय को नहीं है और सरकार यह काम नहीं करना चाहती। अगर कोई आम नागरिक अपने स्तर पर तालाबों को बचाने की कोशिश करता है तो उसे यह कहकर रोक दिया जाता है कि यह सरकारी संपत्ति है। रोहिणी, द्वारका, वसंत कुंज जैसी नियोजित कॉलोनियों में सीवर लाइन और स्टॉर्म ड्रेन अलग-अलग हैं। यहां स्थित जलस्रोतों को थोड़े प्रयास से बचाया जा सकता है। स्टॉर्म ड्रेन से तालाबों तक साफ पानी पहुंचाना होगा। यह काम भी नहीं हो रहा है। हाईकोर्ट ने वर्ष 2000 में दिल्ली के छह सौ से अधिक जलस्रोतों को पुनर्जीवित करने का आदेश दिया था

## लाखों दिल्लीवासियों के लिए गुड न्यूज, कनेक्टिविटी को नया विस्तार देगी ये लाइन; सुरंग का काम पूरा

**नई दिल्ली।** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने एक पोस्टर के साथ एक्स पर पोस्ट डाली है। उन्होंने लिखा कि दिल्ली मेट्रो ने दूरियों को कम करते हुए लाखों दिल्लीवासियों के सफर को सुगम और तेज बनाया है। फेज-4 की गोल्डन लाइन राजधानी की कनेक्टिविटी को नया विस्तार देगी, जिससे यातायात सुगम होगा। साथ ही समय की बचत होगी और आधुनिक बुनियादी ढांचे के साथ दिल्ली के विकास को नई गति मिलेगी। छतरपुर से इग्नू के बीच मेट्रो की दूसरी सुरंग का काम पूरा डीएमआरसी ने एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर (गोल्डन लाइन) फेज चार पर छतरपुर से इग्नू मेट्रो स्टेशन के बीच भूमिगत दूसरी सुरंग का काम पूरा कर लिया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार के पर्यावरण, वन एवं वन्य जीवन मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा की मौजूदगी में मंगलवार को टीबीएम (टनल बोरिंग मशीन) हटाई गई। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि देश तरक्की कर रहा है और दिल्ली भी ताल पर ताल मिलाकर आगे बढ़ रही है। दिल्ली की जनता को मेट्रो के माध्यम से सुलभ परिवहन देना हमारा धर्म है। डीएमआरसी के अनुसार यह नई सुरंग औसतन 27.0 मीटर (न्यूनतम गहराई 15.0 मीटर और अधिकतम 39 मीटर) की गहराई पर बनाई गई है, जो दिल्ली मेट्रो की सबसे गहरी सुरंगों में से एक है। 25 फरवरी को पूरा हो गया था काम गोल्डन लाइन पर छतरपुर मंदिर और इग्नू के बीच एक और समानांतर सुरंग का काम 25 फरवरी को पूरा हो गया था। अब इस खंड पर अप और डाउन दोनों लाइनों पर सुरंग बनाने का काम पूरा हो गया है। इस सुरंग में लगभग 1,048 रिंग लगाए गए हैं। सुरंग का निर्माण ईपीबीएम (अर्थ प्रेशर बैलेंसिंग मेथड) तकनीक का उपयोग करके किया गया है, जिसमें प्रीकास्ट टनल रिंग से बनी कंक्रीट लाइनिंग है। कंक्रीट सेगमेंट की मजबूती के लिए स्टीम क्योरिंग सिस्टम से इनकी क्योरिंग की गई। इसके निर्माण में कठोर चट्टानों सहित विभिन्न चुनौतियों का सामना करना पड़ा, जिसके कारण स्क्रू आगर क्षतिग्रस्त हो गया और अभियान के दौरान उसे बदला गया। इग्नू स्टेशन पर 1,460 मीटर लंबी सुरंग खोदने के बाद टीबीएम बाहर निकली। बता दें कि वर्तमान में डीएमआरसी की तरफ से फेज-पांच के कार्य के तहत 40.109 किलोमीटर भूमिगत लाइनों का निर्माण किया जा रहा है। एरोसिटी-तुगलकाबाद कॉरिडोर में कुल 19.343 किमी खंड भूमिगत है। फेज-तीन में लगभग 50 किमी भूमिगत सेक्शनों के निर्माण के समय एनसीआर में लगभग 30 टीबीएम का उपयोग किया गया।

## सीबीआई अफसर बन ठगे 22 लाख, 8वीं पास आरोपी ने पुलिस रिमांड पर उगला खौफनाक सच

**फरीदाबाद।** आठवीं पास छात्र ने सीबीआइ अधिकारी बनकर रेलवे कर्मचारी से 22.42 लाख रुपये ठग लिए। पुलिस ने आरोपी साहिल खान को गिरफ्तार कर लिया है। इस मामले में एक व्यक्ति पहले ही गिरफ्तार हो चुका है। रेलवे रिटायर्ड कर्मचारी से हुआ ठगी सेक्टर-30 निवासी एक व्यक्ति ने बताया कि वह रेलवे से रिटायर्ड कर्मचारी हैं। साइबर थाना सेंट्रल को दी शिकायत में उन्होंने आरोप लगाया कि उनके पास एक महिला का वीडियो कॉल आया। वीडियो कॉल में महिला पूरी तरह से न्यूड थी। इसके बाद कॉल डिस्कनेक्ट हो गई। कुछ दिन बाद जालसाज ने पीड़ित को सीबीआई अधिकारी बनकर कॉल किया और कहा कि जिस महिला ने उन्हें कॉल किया था वह आत्महत्या करने की कोशिश कर रही है। जालसाजों ने शिकायतकर्ता से कहा कि वह मामला निपटाने के एवज में 30 लाख रुपये मांग रही है। जिस पर शिकायतकर्ता ने बदनामी के डर से अलग-अलग ट्रांजेक्शन के जरिए 22.42 लाख रुपये ठग लिए। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मामले पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने आरोपी साहिल को राजस्थान के डींग जिले से गिरफ्तार कर लिया है। आठवीं पास है आरोपी आरोपी ने बताया कि वह आठवीं पास है। उसका गिरोह गूगल से पुलिस अफसरों के पुराने वीडियो उठाकर एक फोन पर वीडियो चलाता है, दूसरे फोन पर वीडियो दिखाता है और फिर वॉट्सऐप कॉल करता है। कॉल के दौरान वीडियो की आवाज बंद कर देता है और अपनी आवाज में बात करता है। वीडियो कॉल सुनने वालों को लगता है कि पुलिस ही बात कर रही है। आरोपी को आगे की पूछताछ के लिए चार दिन के रिमांड पर लिया गया है। आरोपी से साढ़े तीन लाख रुपये बरामद किए गए हैं। इस मामले में एक आरोपी पहले ही गिरफ्तार हो चुका है।

## निगम के बजट सत्र के दौरान हंगामा, बैठक स्थगित; नेताओं ने एक-दूसरे पर लगाए ये आरोप

**नई दिल्ली।** दिल्ली नगर निगम के वर्ष 2024-25 के संशोधित बजट अनुमान और 2025-26 के बजट अनुमान आज पारित होने की उम्मीद है। नगर निगम सदन की विशेष बैठक में नेता सदन मुकेश गोयल इस बजट को पारित कराएंगे। दोपहर करीब दो बजे नगर निगम सदन की बैठक में हंगामा हो गया। कांग्रेस पार्षदों ने संविधान की हत्या का आरोप लगाया था। नेता सदन ने बजट नहीं पढ़ा और उन्होंने कहा कि बजट को पढ़ा हुआ ही माना जाए। बैठक 10 मिनट के लिए स्थगित वहीं, बीजेपी पार्षद मेयर की सीट पर चढ़ गए। सदन की बैठक 10 मिनट के लिए स्थगित कर दी गई। दिल्ली के मेयर महेश कुमार ने कहा, "आज बजट का आखिरी दिन था। आपने देखा कि बीजेपी पार्षदों ने हंगामा किया। उन्होंने दो साल तक हंगामा किया। उन्होंने मुझे कुर्सी से उतारने की कोशिश की। हमारी पार्षद उषा शर्मा के हाथ में चोट लग गई। हम उनकी निंदा करते हैं।" निगम में सदन के नेता मुकेश गोयल ने कहा, "विपक्ष ने सदन में हंगामा किया। उन्होंने दो साल तक सदन की बैठक नहीं होने दी। 15 साल सत्ता में रहने के बाद भी ये लोग पार्षदों को तोड़ रहे हैं। आज उन्होंने सदन की गरिमा का कोई ध्यान नहीं रखा। एक महिला पार्षद घायल हो गई हैं। हम निगम कर्मचारियों के हित के लिए काम कर रहे हैं।" मेयर की निधि 500 करोड़ करने पर उठे सवाल वहीं, मेयर की विवेकाधीन निधि 500 करोड़ करने पर भी विभाग के अधिकारियों ने सवाल उठाए हैं, क्योंकि यह निधि पार्कों के रखरखाव और सड़कों व गलियों के निर्माण के लिए रखी गई थी। जिसे मेयर ने अपनी विवेकाधीन निधि बना लिया था। गौरतलब है कि भाजपा ने बजट में संशोधन के लिए 23 और आप ने 10 प्रस्ताव रखे हैं। आप की ओर से नेता प्रतिपक्ष और नेता सदन का बजट बढ़ाने का भी प्रस्ताव है। गौरतलब है कि 13 फरवरी को नगर आयुक्त अश्विनी कुमार ने नगर निगम सदन में 17 हजार करोड़ रुपये का बजट पेश किया था। इस पर दो दिन तक चर्चा के बाद आज इसे अंतिम रूप दिया जाएगा। 238 पार्षदों में से भाजपा के पास अभी 117 पार्षद हैं और आप के पास 113 और कांग्रेस के पास आठ पार्षद हैं।

## दिल्ली में भीषण गर्मी से बढ़ेगी बिजली की डिमांड, इस बार टूट सकते हैं सारे रिकॉर्ड

**नई दिल्ली।** राजधानी में गर्मी बढ़ने के साथ बिजली की खपत भी बढ़ने लगी है। इस बार गर्मी में अधिकतम मांग नौ हजार मेगावाट से ऊपर पहुंच सकती है। इसे ध्यान में रखकर बिजली वितरण कंपनियों (डिस्काम) ने तैयारी कर रही हैं। पिछले साल अधिकतम मांग 8656 मेगावाट पहुंच गई थी। पहले कितनी पहुंची थी बिजली की मांग? पहले कभी भी मांग आठ हजार मेगावाट नहीं पहुंची थी। बिजली की मांग का अनुमान लगाने के लिए बीएसईएस राजधानी पावर लिमिटेड (बीआरपीएल), बीएसईएस यमुना पावर लिमिटेड (बीवाईपीएल) और टाटा पावर दिल्ली डिस्ट्रीब्यूशन लिमिटेड (टीपीडीडीएल) ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग जैसी अत्याधुनिक तकनीक का उपयोग करती हैं। अधिकारियों का कहना है कि बिजली की खपत का मौसम का भी असर पड़ता है, इसलिए मौसम पूवार्नुमान का ध्यान रखा जाता है। निर्बाध आपूर्ति के लिए बिजली नेटवर्क का भी उन्नयन किया है। नए ट्रांसफार्मर लगाने के साथ ही जरूरत के अनुसार पुराने की क्षमता बढ़ाई गई है। अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती के साथ ही आपात स्थिति से निपटने के लिए त्वरित प्रक्रिया दल (क्यूआरटी) की तैनाती की जा रही है। बीएसईएस की दोनों कंपनियों को लंबी अवधि के समझौते से 28 सौ मेगावाट से अधिक बिजली मिलने के साथ ही लगभग 2100 मेगावाट अक्षय ऊर्जा और पावर बैंकिंग के माध्यम से 500 मेगावाट बिजली मिलेगी। पिछले वर्षों में अधिकतम मांग वर्ष 2023 में अधिकतम मांग 7438 मेगावाट वर्ष 2022 में अधिकतम मांग 7695 मेगावाट बिजली की मांग का पूवार्नुमान (मेगावाट में) दिल्ली में स्थित कचरे से बिजली बनाने वाले संयंत्रों से 40 मेगावाट और उपभोक्ताओं के घरों की छतों पर लगे रूफटाप सोलर पैनल से 197 मेगावाट बिजली उपलब्ध होगी। बीएसईएस प्रवक्ता कहना है कि लोड फोरकास्टिंग सिस्टम की मदद से अब तीन स्तरों पर बिजली की मांग का सटीक अनुमान लगाया जा सकता है। बिजली की मांग बढ़ने को लेकर क्या है इंतजाम? टीपीडीडीएल को लंबी अवधि, मध्य कालिक और लघु अवधि के समझौते से लगभग 2850 मेगावाट बिजली मिलेगी।

## 80 लाख लूटकर भाग गया था शातिर, पुलिस ने इस तकनीक से 24 घंटे में दबोचे आरोपी

**नई दिल्ली।** चांदनी चौक के हवेली हैदर कुली में कारोबारी के कर्मचारी से 80 लाख रुपये लूटने वाले दो बदमाशों को उत्तरी जिले की संयुक्त टीमों ने एफआरएस तकनीक की मदद से 24 घंटे के अंदर गिरफ्तार कर लिया है। बदमाशों के कब्जे से 79.50 लाख रुपये और वारदात में इस्तेमाल एक पिस्तौल, तीन कारतूस और एक स्कूटी बरामद की गई है। गिरफ्तार बदमाशों की पहचान दरिया गंज निवासी मोहम्मद अली और समीर के रूप में हुई है। मुख्य साजिशकर्ता मोहम्मद अली को वर्ष 2023 में 10 लाख रुपये की नकदी लूटने के मामले में भी गिरफ्तार किया गया था। वह कूचा महाजनी में काम करता था, उसे पैसों की आवाजाही की जानकारी थी। दोनों बदमाशों ने वारदात से पहले कूचा घासी राम में रेकी भी की थी और उन्हें जानकारी थी कि बैग में नकदी है। पैसों से भरा बैग छीनने की कोशिश डिप्टी कमिश्नर राजा बांठिया के अनुसार 17 मार्च को गुजरात के पाटन निवासी और दिल्ली में आरके इंटरप्राइजेज के कर्मचारी अजमल भाई गणेश को शाम करीब छह बजे कूचा घासी राम में 80 लाख रुपये का पेमेंट मिला था। पैसे बैग में रखने के बाद वह हैदर कुली फतेहपुरी स्थित अपने आवास की ओर बढ़े तो हवेली हैदर कुली के पास एक संदिग्ध ने बंदूक की नोक पर उन्हें रोका और पैसों से भरा बैग छीनने की कोशिश की। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि आरोपी ने कूचा घासी राम से पीड़ित का पीछा करना शुरू किया था और हैदर कुली के बाहर खड़े एक अन्य व्यक्ति के निर्देश पर काम कर रहा था। बैग छीनने के बाद आरोपी मुख्य चांदनी चौक रोड की तरफ भाग गया। एक टीम ने हमलावर का पीछा करना शुरू किया जो फतेहपुरी मस्जिद की तरफ भाग गया, जबकि दूसरी टीम ने दूसरे व्यक्ति का पीछा किया, जो स्कूटी पर लाल किला की तरफ भागते हुए कैमरे में कैद हो गया। 500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद आरोपी को जामा मस्जिद दरीबा की तरफ से आते और बाद में उसी रास्ते से स्कूटी पर भागते देखा गया। जबकि दूसरा आरोपी फतेहपुरी मस्जिद के पास एक ऑटो में सवार होता देखा गया, जो फिर लाहौरी गेट की तरफ मुड़ गया। सीसीटीवी फुटेज से ऑटो का रजिस्ट्रेशन नंबर पहचानने के बाद ऑटो चालक से पूछताछ की गई। उसने बताया कि शाम को एक व्यक्ति उसके ऑटो में बैठा था, लेकिन 10-20 मीटर की दूरी पर उतर गया और भाग गया। एफआरएस तकनीक का उपयोग करके आरोपी की पहचान की गई पुलिस टीम ने फेशियल रिकॉग्निशन सिस्टम (एफआरएस) का उपयोग करके आरोपी के चेहरे का विश्लेषण किया, जिसमें सिस्टम ने उसके चेहरे को पहले से गिरफ्तार व्यक्ति, दरियागंज के कुचा चालन निवासी मोहम्मद अली के चेहरे से मिलाया। टीम ने तुरंत दरियागंज में जाल बिछाया और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के दौरान उसने अपने सह-आरोपी की पहचान दरियागंज निवासी समीर के रूप में की।

इसके बाद समीर को भी पकड़ लिया गया। दोनों से पूछताछ के आधार पर समीर के घर से लूटी गई रकम में से 79.50 लाख रुपये बरामद किए गए

# लखनऊ में पुलिस के खिलाफ वकीलों का प्रदर्शन

## थाने में हुए विवाद के बाद दो गुट में बंटे बार एसोसिएशन; एक ने कहा- काम करेंगे, दूसरा बोला- हड़ताल

**लखनऊ।** में पुलिस के खिलाफ वकील दो गुट में बंट गए हैं। एक गुट अल्टीमेटम देने के बाद हड़ताल से पीछे हट गया। यह देखते ही दूसरे गुट ने प्रदर्शन शुरू कर दिया। होली के दिन थाने पर पुलिस से विवाद के बाद हड़ताल, रैली, प्रदर्शन और कमिश्नर ऑफिस के घेराव का अल्टीमेटम वकीलों ने दिया था। उसके बाद पुलिस ने एक इंस्पेक्टर, तीन दरोगा और एक सिपाही को लाइन हाजिर कर दिया। पुलिस और वकीलों के बीच हुई मारपीट के मामले की चारों FIR की जांच अब गोमतीनगर विस्तार के थाने से कराई जाएगी। ऐसे बंटे गुटों में पुलिस से मुकदमे वापस लेने के लिए तीनों बार एसोसिएशन ने आपात बैठक की थी। उसके बाद सबका निर्णय था कि कमिश्नर ऑफिस का घेराव और प्रदर्शन किया जाएगा। उसके बाद घेराव के तय समय पर प्रदर्शन के बाद एसोसिएशन के पदाधिकारियों के बयान आ गए कि हमारी लड़ाई पुलिस से है, न्यायपालिका से नहीं। इसलिए कार्य करते रहेंगे। यह सुनते ही लखनऊ बार एसोसिएशन और सेंट्रल बार एसोसिएशन के वकील भड़क गए। उनका कहना है कि पुलिस मामले में घालमेल कर रही है। पुलिस पर भरोसा नहीं किया जा सकता। जब तक मुकदमे वापस नहीं होंगे तब तक वकील अपना



प्रदर्शन बंद नहीं करेंगे। इसके बाद स्वास्थ्य भवन चौराहे पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। दरअसल, पुलिस पर थाने में वकील के मुंह पर पेशाब करने का आरोप है। इसी के चलते मंगलवार शाम को लखनऊ बार, सेंट्रल बार और अवध बार एसोसिएशन ने हड़ताल की। इसके बाद बुधवार दोपहर 1 बजे तक अपने ऊपर दर्ज मुकदमों को वापस करने का अल्टीमेटम दिया। वकीलों ने चेतावनी दी थी कि पुलिसकर्मियों के खिलाफ अगर कार्रवाई नहीं हुई तो सैकड़ों अधिवक्ता पुलिस कमिश्नर कार्यालय का घेराव करेंगे।अब पीछे हटे तो बंटे बार एसोसिएशन वकीलों के प्रदर्शन से पीछे हटने की सूचना मिलते ही बार एसोसिएशन दो गुट में बंट गए। लखनऊ बार एसोसिएशन और सेंट्रल बार एसोसिएशन के दूसरे गुट के अधिवक्ताओं ने स्वास्थ्य भवन चौराहे पर प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने नारेबाजी भी की। मंगलवार को वकीलों के मामले को लेकर लखनऊ में कई चौराहों पर पुलिस हाई अलर्ट पर रही। बैरिकेडिंग के साथ पुलिस बल सड़कों पर उतारा गया। जवान लाठी और सेफ्टी जैकेट से लैस थे। यह तैयारी वकीलों के हड़ताल पर जाने और शहर में रैली निकालने के ऐलान के बाद की गई थी। लखनऊ बार एसोसिएशन के अध्यक्ष और महामंत्री ने बताया कि उनके द्वारा हड़ताल को वापस ले लिया गया है। गुरुवार से पूर्व की तरीके से न्यायिक कार्य शुरू हो जाएंगे। पुलिस कमिश्नर लखनऊ से वार्ता हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि मुकदमे वापस होंगे और इसकी SIT जांच कराई जाएगी। सेंट्रल बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष प्रदीप सिंह ने कहा- हम प्रदर्शन इसलिए कर रहे हैं कि पुलिस के द्वारा षड्यंत्र करके कार्रवाई की गई थी। ऐसे दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

## मेडिकल कॉलेज की खस्ताहाल एम्बुलेंस: लखनऊ रेफर मरीज को ले जाने के लिए लोगों को लगाना पड़ा धक्का



**सुलतानपुर/ भव्य खबर।** जिले के राजकीय मेडिकल कॉलेज में एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जहां एक मरीज को लखनऊ रेफर करने के लिए भेजी गई एम्बुलेंस ने काम करना बंद कर दिया। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे एक वीडियो में देखा जा सकता है कि जब 108 एम्बुलेंस स्टार्ट नहीं हो रही थी, तो मरीज के परिजनों और स्थानीय लोगों ने एम्बुलेंस को धक्का लगाने की कोशिश की। यह घटना कुड़वार थाना क्षेत्र के मीरापुर गांव के कामरान खान के साथ हुई, जिन्हें बुधवार को डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर किया था। परिजनों ने एम्बुलेंस को फोन कर बुलाया, और इमरजेंसी से मरीज को स्टेचर पर लाकर एम्बुलेंस में शिफ्ट किया गया। लेकिन जब एम्बुलेंस चालक ने इसे स्टार्ट करने की कोशिश की, तो एम्बुलेंस स्टार्ट नहीं हुई। इसके बाद, वहां मौजूद लोगों ने मिलकर एम्बुलेंस को धक्का दिया, जिससे एम्बुलेंस किसी तरह स्टार्ट हुई। इस दौरान किसी व्यक्ति ने इस स्थिति का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया। वायरल हो रहे इस वीडियो ने प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य विभाग की व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं। प्रदेश के उप मुख्यमंत्री द्वारा स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के दावे किए जाते हैं, लेकिन इस वीडियो ने उनके दावों की पोल खोल दी है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने इस मुद्दे पर अभी तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है।

## मुख्य चिकित्साधिकारी ने दी सोशल मीडिया पर वायरल एंबुलेंस खबर पर सफाई

**सुलतानपुर/ भव्य खबर।** मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. ओ.पी. चौधरी ने सोशल मीडिया पर वायरल हो रही एंबुलेंस से संबंधित खबर पर स्पष्टीकरण दिया है। उन्होंने बताया कि सीएचसी कुड़वार से मरीज को जिला अस्पताल लाने के बाद एंबुलेंस में तकनीकी खराबी आई थी। जब गाड़ी जिला अस्पताल में पहुंची और वापस जाने लगी, तो एंबुलेंस की स्टीयरिंग मोटर जाम हो गई, जिसके कारण गाड़ी स्टार्ट नहीं हो पाई। डॉ. चौधरी ने कहा कि चूंकि एंबुलेंस जिला अस्पताल में थी और गाड़ी स्टार्ट नहीं हो पा रही थी, इसलिए उसे साइड में करने के लिए धक्का दिया गया। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जिस समय एंबुलेंस को धक्का दिया जा रहा था, उस समय गाड़ी में कोई मरीज नहीं था, वह पूरी तरह से खाली थी। मुख्य चिकित्साधिकारी ने सोशल मीडिया पर वायरल खबर की सच्चाई को सामने लाते हुए बताया कि इस घटना में कोई भी मरीज को खतरा नहीं हुआ और मामला तकनीकी खराबी का था।

## अज्ञात वाहन की टक्कर से छात्र की मौत

**कुशीनगर ।** के हाटा में एक दर्दनाक सड़क हादसे में 18 वर्षीय छात्र की मौत हो गई। हादसा नेशनल हाईवे 28 के महुआरी क्रॉसिंग पर हुआ। मृतक श्याम उर्फ छोटू संस्कृत विद्यालय हाटा का छात्र था। वह दुर्गा मंदिर के पुजारी नागेंद्र पांडेय का छोटा बेटा था। घटना उस समय हुई जब परिवार में जनेऊ संस्कार का कार्यक्रम चल रहा था। श्याम बाइक से किसी काम से जा रहा था। महुआरी क्रॉसिंग पर सड़क पार करते समय एक अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि वह बाइक समेत सड़क पर गिर गया। आसपास के लोगों ने तुरंत परिजनों को सूचना दी।

# हीटवेव से बचाव के करायें पुख्ता इंतजाम, जागरूकता भी बढ़ाएं: मुख्यमंत्री योगी

**लखनऊ/ भव्य खबर/ इस्मत।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को हीटवेव प्रबंधन को लेकर उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। हीटवेव के कारण होने वाली घटनाओं को लेकर तैयारियों की समीक्षा करते हुए उन्होंने संबंधित विभागों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने हीटवेव को लेकर विशेषतौर पर सतर्कता बरतने का निर्देश दिया। हीटवेव के कारण होने वाली जनहानि हम स्वीकार नहीं कर सकते। इस तरह की जनहानि को कंपनसेशन देकर भरपाई नहीं की जा सकती। हमारे लिए एक-एक जनहानि हमारा व्यक्तिगत नुकसान है। ▪कहा कि प्रदेश के कुछ जिलों में अभी से हीटवेव जैसी स्थिति उत्पन्न होने लगी है, ऐसे में सभी विभागों को सतर्कता के साथ कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने प्रदेश के सभी जिलों व तहसील स्तर पर लोगों हीटवेव के कारण, बचाव व तैयारी से संबंधित तथ्यों को व्यापक प्रचार-प्रसार के माध्यम से अवगत कराने के साथ ही प्रदेश के जंगलों को अग्निकांड से बचाने को महत्वपूर्ण बताया।

▪निर्देश दिया कि प्रदेश के हर जिले में अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाने होंगे, इसमें होने वाले व्यय की चिंता न करें। संवेदनशील क्षेत्रों में भी अर्ली वार्निंग सिस्टम लगाए जाएं, ताकि समय से लोगों को आने वाली आपदा से सूचित किया जा सके। प्रधान, ग्राम सेवक को जवाबदेह बनाया जाए तथा समय-समय पर जवाबदेही तय करते हुए कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। इन इक्विप्मेंट्स व वार्निंग सिस्टम की स्थापना, संचालन व कवरेज से जुड़े पहलुओं की रेगुलर मॉनिटरिंग की जाए।



▪मुख्यमंत्री ने कहा कि मीरजापुर, सोनभद्र तथा गाजीपुर जैसे इलाकों में आकाशीय बिजली की घटनाएं सर्वाधिक होती हैं, ऐसे में सभी रिस्क वाले जिलों में किसानों को वज्रपात से अलर्ट करना होगा जिससे जनहानि को रोका जा सके। मोबाइल पर एसएमएस तथा पब्लिक एड्रेस सिस्टम के जरिए लोगों को घटना से पहले अवगत कराया जाए। कहा कि सूचना विभाग के साथ समन्वय करते हुए प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों, तहसील मुख्यालयों, ब्लॉक मुख्यालयों में हीटवेव को लेकर व्यापक प्रचार-प्रसार होना चाहिए। इसके लिए डिजिटल डिस्प्ले, होर्डिंग, बिलबोर्ड समेत विभिन्न माध्यमों का सहारा लिया जाए। विभिन्न विज्ञापनों में भी बचाव और तैयारियों के विषय में जागरूक किया जाना चाहिए।

▪अभी तो स्कूलों में परीक्षाएं चल रही हैं मगर इस इनके मध्य स्कूली बच्चों को सेमिनार व अन्य माध्यम से हीटवेव को लेकर बरतने वाली सतर्कताओं को लेकर अवगत कराया जाए। भीड़ भाड़ वाली जगहों, बैंकों व अन्य संस्थानों में प्याऊ लगाने, शुद्ध जल की आपूर्ति सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि महाकुम्भ में उपयोग में लाए गए वाटर एटीएम को सभी जिलों में भेजा जाए। प्रत्येक जिले में एक वॉटर एटीएम प्रसाद के रूप में भेजा जाना चाहिए और इसके माध्यम से मुफ्त पानी मिले यह सुनिश्चित किया जाए। इसके अतिरिक्त, बैंकों व उद्यमियों को सीएसआर के माध्यम से और अधिक वॉटर एटीएम लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

▪मुख्यमंत्री ने बावड़ियों तालाब और छतों पर पानी की व्यवस्था के निर्देश दिए। साथ ही, यह भी कहा कि चिकित्सालयों में बने बर्न वार्ड में विशेष व्यवस्था होनी चाहिए। इसके अलावा विभिन्न प्रचार माध्यमों में लू लगने पर क्या करना है, क्या सावधानी बरती जानी चाहिए, इसका भी प्रचार प्रसार किया जाए।

# क्षेत्रफल बढ़ाने को लेकर 15 गांवों में आयोजित होगी बसंत कालीन गन्ना गोष्ठी

**संवाददाता**

**कुशीनगर ।** उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराइच गोरखपुर द्वारा अवध शुगर एंड एनर्जी लिमिटेड ढाढ़ा कुशीनगर के परिक्षेत्र में 15 ग्रामों में बसंत कालीन गोष्ठी आयोजित की जाएगी। उक्त जानकारी मिल के अधिशासी अध्यक्ष श्री करण सिंह ने चीनी मिल में गन्ना विकास विभाग के कर्मचारी एवं अधिकारियों से एक बैठक में बताई। प्रथम चरण में 9 से 12 मार्च तक 12 गांव में गोष्ठी का आयोजन हो चुका है। प्रशिक्षण संस्थान के पूर्व सहायक निदेशक ओम प्रकाश गुप्ता किसानों को बसंत कालीन गन्ना गोष्ठी में देंगे। जिन गांवों में गन्ना क्षेत्रफल कम है। वहां बसंत कालीन गन्ने की बुवाई, बीज गन्ना की उपलब्धता, सिंगल बड़ से तैयार गन्ना पौध की रोपाई, गन्ने की खेती में कृषि यंत्रों का प्रयोग एवं पेडी प्रबंधन, कीटनाशक आदि गन्ना विकास योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। ग्राम चक नारायण पुर में आयोजित गोष्ठी में चीनी मिल के उप महाप्रबंधक गन्ना डीडी सिंह ने बताया कि 19 मार्च को मुंडेराचंद, चकनारायनपुर, जुलाहपुरवा, 20 मार्च को ग्राम रामपुर बुजुर्ग, गणेशपुर घोड़टप पकड़िहार, 21 मार्च को बड़हरी, पट्टन,धरमपुर 22 मार्च को बेलवा बुजुर्ग, कविलसहा, 23 मार्च को भटनी दादन खोट्टा, न्याउमुंडा सहित 15 गांव में गोष्ठी का आयोजन होगा। सहायक उपाध्यक्ष गन्ना अवधेश चंद्र गुप्ता ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रमों को प्रभावी बनाने के लिए संबंधित ब्लॉक इंचार्ज को निर्देश जारी कर दिया गया है। महेश तिवारी, विजय चौधरी, भास्कर सिंह, राजेश मौर्य चयनित गांव के ब्लॉक प्रभारी हैं। प्रशिक्षण के बाद किसान के खेत पर जाकर गन्ने की उन्नत खेती की व्यवहारिक जानकारी दी जाएगी।

# प्रधानमंत्री के फिट इंडिया अभियान को सीएम धामी धरातल पर उतारने को तैयार

**देहरादून/ भव्य खबर/ रमण श्रीवास्तव ।** उत्तराखण्ड की धरती से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया के जिस अभियान का जिक्र किया था, मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उसे धरातल पर उतारने की तैयारी तेज हो गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी नागरिकों से स्वस्थ रहने का जो आह्वान किया है, उसे धरातल पर उतारने के लिए उत्तराखण्ड कृत संकल्प है। सरकार ने इस दिशा में कार्य शुरू कर दिया है। स्वस्थ भारत, स्वस्थ उत्तराखण्ड बनाने के लिए यह जरूरी है कि सभी लोग संतुलित आहार पर ध्यान देना शुरू करें। मुख्यमंत्री ने सभी से अपील की है कि वह इस अभियान में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं। इस क्रम में राज्य सरकार ने सबसे पहले शैक्षणिक संस्थानों पर फोकस किया है। ईट राइट इंडिया अभियान की पृष्ठभूमि में छात्र-छात्राओं में स्वास्थ्य जागरूकता के लिए नए सिरे से कवायद की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग ने इस संबंध में विद्यालयी शिक्षा समेत पांच विभागों को पत्र भेजा है। पत्र में जोर दिया गया है कि छात्र-छात्राओं में संतुलित आहार के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर




राजेश कुमार की ओर से विद्यालयी शिक्षा के अलावा समाज कल्याण, कौशल विकास एवं सेवायोजन, संस्कृत शिक्षा और तकनीकी शिक्षा विभाग के सचिवों को पत्र प्रेषित किया गया है। इसमें अपेक्षा की गई है कि शैक्षणिक संस्थानों में टिन प्लेट/डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से ईट राइट थाली का प्रचार-प्रसार किया जाए। ईट राइट इंडिया अभियान के राज्य नोडल अधिकारी गणेश चंद्र कंडवाल के अनुसार, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण की ओर से स्कूली बच्चों के लिए वर्ष 2020 में खाद्य सुरक्षा मानक तय किए गए हैं। इसमें बताया गया है कि ईट राइट थाली में क्या-क्या संतुलित आहार बच्चों के लिए होने चाहिए। फिट इंडिया अभियान के अंतर्गत विद्यालयी शिक्षा विभाग छह ईट राइट किचन का प्रस्ताव तैयार कर रहा है। इस प्रस्ताव को जल्द ही केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। समग्र शिक्षा अभियान के अपर निदेशक कुलदीप गैरोला के अनुसार, छह विद्यालयों में ईट राइट की व्यवस्था के लिए ये किचन बनाए जाएंगे, जिन्हें हम मॉडर्न किचन भी कह सकेंगे। इसके अलावा, टिन प्लेट, डिस्प्ले बोर्ड के माध्यम से फिट इंडिया और ईट राइट का संदेश प्रसारित किया जाएगा। जागरूकता के लिए ट्रेनिंग प्रोग्राम चलाए जाने भी प्रस्तावित हैं।

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सभी नागरिकों से स्वस्थ रहने का जो आह्वान किया है, उसे धरातल पर उतारने के लिए उत्तराखण्ड कृत संकल्प है - मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

## संक्षिप्त डायरी

### हमीरपुर की जरिया पुलिस ने चोरी के फरार चल रहे अभियुक्त को चोरी के सामान के साथ किया गिरफ्तार



**संवाददाता**

**हमीरपुर।** उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की जरिया पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत मु0अ0सं0 35/2025 धारा 331(4),305,317(2) BNS, मु0अ0सं0 36/2025 धारा 331(4),305,317(2) BNS, मु0अ0सं0 37/2025 धारा 331(4),305,317(2) BNS के मामले में फरार चल रहे थाना क्षेत्र के इन्दरपुरा निवासी 36 वर्षीयअभियुक्त धर्म सिंह उर्फ धर्मा पुत्र स्व० सन्तराम राजपूत को चोरी के सामान सहित झबरा चौराहा ग्राम चण्डौत से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया गया। पुलिस ने अभियुक्त के पास से तीन विद्युत स्टारटर, बरामद करने में कामयाबी हासिल की। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में खासतौर से एस आई रमाकान्त शुक्ल, कांस्टेबल मनोज कुमार, कांस्टेबल रीझुल मुखरैया सहित काउ संजय विक्रम सिंह शामिल रहे।

### हमीरपुर की मुस्करा पुलिस ने तीन वारण्टी अभियुक्तों को किया गिरफ्तार-

**संवाददाता**

**हमीरपुर।** उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की मुस्कुरा पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहतअ०सं०- 08/06 धारा-420/466/467/471 आईपीसी के मामले में थाना क्षेत्र के ग्राम उपहरका निवासी 76 वर्षीय वारंटी अभियुक्त देशराज पुत्र चन्दी, जबकि 95 वर्षीय गुलाब सिंह पुत्र हल्कू सहित 78 वर्षीय बोधन पुत्र बालादीन को गिरफ्तार कर अदालत में पेश कियागया। अभियुक्तों को गिरफ्तार करने वाली टीम में खासतौर से एस आई मानवेन्द्र सिंह, हेड कांस्टेबल रामनरेश सहित हेड कांस्टेब वेदप्रकाश शामिल रहे।

### होलिका दहन विवाद में हिंदू संगठन सख्त

**बस्ती।** में सांप्रदायिक सौहार्द को लेकर गंभीर मामला सामने आया है। वाल्टरगंज थाना क्षेत्र के गनेशपुर नगर पंचायत में होलिका दहन को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। अम्बेडकर वार्ड की निवासी सत्या चौधरी ने विश्व हिंदू महासंघ के जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह के साथ पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा। आरोप है कि कस्बे के कुछ लोगों ने 13 मार्च को होलिका के मुहूर्त से पहले ही आग लगा दी। जब इसका विरोध किया गया, तो आरोपियों ने गालियां दीं और जान से मारने की धमकी दी। पुलिस अधीक्षक से मुलाकात के बाद अखिलेश सिंह ने बताया कि एसपी ने मामले की जांच दूसरे थाने से कराने का आश्वासन दिया है। आंदोलन की चेतावनी उन्होंने चेतावनी दी कि अगर कड़ी कार्रवाई नहीं हुई तो महासंघ आंदोलन करने को मजबूर होगा। ज्ञापन देने के दौरान विश्व हिंदू महासंघ के कई पदाधिकारी मौजूद थे। इनमें प्रदेश मंत्री और अधिवक्ता प्रकोष्ठ के कुलदीप मिश्रा, सौरभ त्रिपाठी, डॉ. परशुराम साहनी समेत कई स्थानीय नागरिक शामिल थे।

### यूपी बोर्ड कॉपी जांच में शिक्षकों का विरोध

**बस्ती।** में उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) के आह्वान पर शिक्षकों ने सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। शिक्षकों ने यूपी बोर्ड की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन काली पट्टी बांधकर किया। जिलाध्यक्ष शिवपाल सिंह के नेतृत्व में शिक्षकों ने चार प्रमुख मांगें रखीं। इनमें पुरानी पेंशन बहाली, धारा 12, 18 व 21 की पुनर्बहाली, वित्तविहीन शिक्षकों को समान कार्य के लिए समान वेतन और निःशुल्क चिकित्सा सुविधा शामिल हैं। बस्ती के चारों मूल्यांकन केंद्रों में यह विरोध प्रदर्शन हुआ। ये केंद्र श्री कृष्ण पांडेय इंटर कॉलेज, राजकीय इंटर कॉलेज, राजकीय कन्या इंटर कॉलेज और जीआरएस इंटर कॉलेज में स्थित हैं। शिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने सभी केंद्रों का दौरा किया।पिछले कई दिनों से शिक्षक संघ के सदस्य इन मांगों से जुड़े स्टीकर चस्पा कर रहे थे। आज सुबह जब शिक्षक मूल्यांकन केंद्रों पर पहुंचे, तो संघ के पदाधिकारियों ने खुद उनकी बांह पर काली पट्टी बांधी। इस प्रतीकात्मक विरोध में जिला मंत्री गिरीश चंद्र चौबे, उपाध्यक्ष डॉ. विकास भट्ट कामिल समेत कई वरिष्ठ शिक्षक और प्रधानाचार्य शामिल रहे।

# पान खाने निकले प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या

## अपराधियों ने बुलेट रोकी, आगे बढ़ने पर पीठ में मारी गोली; बहू की आत्महत्या में थे अभियुक्त

**मुजफ्फरपुर।** में अपराधियों ने एक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी है। वारदात के बाद अपराधी मौके से फरार हो गए। मामला मंगलवार की देर रात जिले के सदर थाना क्षेत्र का है। जानकारी मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है।घटना के दौरान मौके पर जुटी लोगों की भीड़ ने स्थानीय पुलिस को जानकारी दी। जिसके बाद जख्मी हालत में प्रॉपर्टी डीलर को अस्पताल लेकर जाया गया, जहां डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजनों को सूचित किया गया।

मृतक की पहचान सदर थाना क्षेत्र के पताही निवासी रामकिशोर चौधरी उर्फ टुनटुन चौधरी के रूप में हुई है। जिन्हें पताही शिव मंदिर के पास बाइक सवार अपराधियों ने पीठ में गोली मार दी। जिससे वो बेसुध होकर जमीन पर गिर गए। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। अपराधी की पहचान और मामले की जानकारी के लिए पुलिस आसपास में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। जांच के लिए मौके पर FSL की टीम बुलाई गई है। मौके से एक जिंदा गोली जब्त की गई है। घटनास्थल से जांच के लिए खून का सैंपल लिया गया है। वहीं, किसी विवाद को लेकर हत्या करने की बात कही जा रही है। मृतक के चचेरे भाई ने कहा कि मंगलवार कि रात घर रामकिशोर चौधरी उर्फ टुनटुन चौधरी अपनी बाइक से घर लौट रहे थे। घर लौटने के दौरान वो यादव नगर गेट के समीप रुक कर पान खाए, जिसके बाद बाइक से पताही स्थित अपने घर के लिए निकल गए। इसी दौरान रास्ते में पताही शिव मंदिर के समीप बाइक सवार अपराधियों ने उन्हें रोकने का इशारा किया। वो बाइक रोके और दोनों के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। जिसके बाद टुनटुन चौधरी अपनी बाइक से आगे बढ़ाने लगे। इसी बीच अपराधियों ने कमर से हथियार निकाल कर उनपर पीछे से गोली चला दिया। जिसके बाद वो बेसुध होकर जमीन पर गिर गए और अपराधी वहां से फरार हो गए। वहीं, छिनतई की आशंका जताते हुए पूछने पर उन्होंने बताया कि इस मामले में मौके पर पहुंची एसडीपीओ टाउन 2 विनीता सिन्हा ने बताया कि अज्ञात अपराधियों के द्वारा टुनटुन चौधरी नामक प्रॉपर्टी डीलर की गोली मारकर हत्या कर दी गई है। जांच के लिए FSL की टीम को भी बुलाया गया है। घटनास्थल और आस पास के लगे सीसीटीवी को खंगाला जा रहा है। जानकारी मिली है कि पूर्व में तीन साल पहले भी इनके ऊपर गोली चली थी। वहीं, नवंबर 2024 में उनकी बहू ने आत्महत्या कर ली थी। उस प्राथमिकी में भी ये अभियुक्त थे। ये प्रॉपर्टी डिलिंग का भी काम करते थे। हमलोग सभी बिंदुओं पर गहनता से जांच कर रहे है।

## बाढ़ में तेज रफ्तार ट्रक ने हाइवा में मारी टक्कर

**पटना।** हादसे में ड्राइवर की मौत, खलासी घायलमृतक पश्चिम बंगाल का पटना जिले के बाढ़ में फोरलेन पर तेज रफ्तार ट्रक ने हाइवा में टक्कर मार दी। हादसे में ट्रक ड्राइवर की मौत हो गई। मृतक नयन दास पश्चिम बंगाल के मालदा का रहने वाला था। घटना बेलौर गांव के पास की है। प्रत्यक्षदर्शी प्रिंस कुमार ने बताया कि सुबह के समय हाइवा सड़क किनारे खड़ी थी। बैक लाइट भी जल रही थी। इसके बाद भी आलू लोडेड ट्रक ने पीछे से टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि गाड़ी का अगला हिस्सा पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक का ऑनर

ही गाड़ी चला रहा था। खलासी को भी हल्की चोटें आई हैं। प्रिंस ने आगे बताया कि ट्रक की स्पीड काफी अधिक थी। ब्रेक लगाने के बाद भी कंट्रोल नहीं हो सका। टक्कर की आवाज इतनी तेज थी कि सुबह ग्रामीणों की नींद खुल गई। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

## न्याय नहीं मिला तो आत्मदाह कर लूंगी'

**दरभंगा।** होली के दिन यानी शुक्रवार को बहेड़ी थाना क्षेत्र के सुसारी गांव में उपद्रवियों ने एक परिवार पर हमला कर दिया था। फतुलाहा गांव के कुछ युवक बाइक से हुड़दंग कर रहे थे। सड़क पर स्टंट कर रहे युवकों को भैरव कुमार झा के बेटे ने रोका। उसने कहा कि इससे किसी बच्चे या बुजुर्ग को चोट लग सकती है। इस पर युवकों से बहस हो गई। कुछ देर बाद सभी युवक वहां से चले गए। थोड़ी देर बाद वे फिर लौटे और लाठी-डंडों, ईंट और धारदार हथियार से लैस होकर आए और भैरव झा के बेटे पर हमला कर दिया। इसके बाद भैरव के

घर में घुसकर महिलाओं से भी मारपीट की। एक महिला के मुंह पर ईंट मार दी, जिससे उसके कई दांत टूट गए। इस हमले में परिवार के चार सदस्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना को लेकर बीच-बचाव करने पहुंचे पांच ग्रामीण भी जख्मी हो गए। घायलों में एक महिला की हालत नाजुक घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। एक महिला की हालत नाजुक बनी हुई है। उसका इलाज डीएमसीएच में चल रहा है। पीड़ित परिवार ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। महिला ने चेतावनी दी है कि अगर न्याय नहीं मिला तो वे आत्मदाह करेंगे। पीड़िता ने कहा कि देश में ये पहली ऐसी घटना होगी कि न्याय नहीं मिलने पर पूरे परिवार ने एक साथ आत्मदाह किया। उधर, उपद्रवियों की ओर से की गई तोड़फोड़ की घटना का वीडियो सीसीटीवी में कैद हो गया है। भैरव कुमार झा ने बताया कि गत 14 मार्च को मेरे परिवार के साथ बहुत ही अभद्र व्यवहार किया गया। मेरे घर में घुसकर मेरे साथ मेरे परिवार बच्चे और औरतों के साथ बहुत ही अश्लील और अभद्र व्यवहार किया गया। मारपीट की गई और दुकान को लूटा गया। मुझे अभी तक इंसाफ नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि प्रशासन से निवेदन करता हूं कि अगर मैं दोषी हूं, तो मुझे सजा मिले और अगर नहीं हूं तो आरोपियों पर कार्रवाई हो।

अगर आरोपियों पर कार्रवाई नहीं होती है तो हम पूरे परिवार के साथ आत्मदाह कर लेंगे।

## रंगदारी देने से इनकार करने पर युवक पर हमला

**दरभंगा।** जिला के बहेड़ी थाना क्षेत्र के पघारी पंचायत के चकरायपुर में सोमवार को रंगदारी देने से इनकार करने पर मारपीट की गंभीर घटना हुई। घटना में रुबेदा खातून और मोहम्मद दिलकश गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों का इलाज दरभंगा के डीएमसीएच में चल रहा है।घायल दिलकश ने बताया कि वह एक चूड़ी बनाने वाली फैक्ट्री में काम करता है। उसका घर सदर थाना क्षेत्र के धोईघाट में है। वह नमाज पढ़कर घर लौट रहा था। तभी

मुबारक अंसारी, अरबाज, राजा, मोहम्मद वकील, मोहम्मद मौसम और सद्दाम ने उसे घेर लिया और रंगदारी की मांग की।पैसे देने से इनकार पर किया जानलेवा हमलादलकश ने पैसे देने से इनकार किया, तो उस पर जानलेवा हमला कर दिया। इसी दौरान रुबेदा खातून ने दिलकश को बचाने की कोशिश की। हमलावरों ने उन पर भी लाठी-डंडों से हमला कर दिया। इससे वह भी गंभीर रूप से घायल हो गईं। दिलकश ने बताया कि सभी आरोपी नशे के शिकार हैं। हर दिन गांजा, वाइटनर का ये लोग सेवन करते हैं, इससे पूर्व भी कई बार ये लोग रुपए क डिमांड कर चुके हैं।घटना से इलाके में भय और आक्रोश है। स्थानीय लोगों ने पुलिस से दोषियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की। प्रशासन से पीड़ितों को न्याय दिलाने की अपील की।

## दरभंगा में मां ने बेटे के खिलाफ कराई एफआईआर

ईश्वर चंद्र ठाकुर ने अपने आवेदन में बताया है कि 6 मार्च को मैं अपने घर सुबह टहलकर वापस लौट रहा था। जैसे ही दरवाजे पर पहुंचा तो छोटे भाई प्रेमचंद ठाकुर और उसके बेटे बिजनेस ठाकुर ने दरवाजा बंद कर दिया। विरोध करने पर हथौड़ी से नाक पर वार कर दिया। मेरी नाक टूट गई और काफी खून बहने लगा। इसके बाद लोहे के रॉड से पिटाई की। परिजन ने बीच-बचाव कर इलाज के लिए बेनीपुर अनुमंडल अस्पताल में भर्ती कराया। वहां

उसकी गंभीर स्थिति को देखकर डीएमसीएच रेफर कर दिया गया। इलाज के बाद अब वह लौट चुका है। घनश्यामपुर थाना अध्यक्ष अजीत कुमार ने बताया कि दोनों ओर से आवेदन मिलने के बाद केस दर्ज कर लिया गया है।

## सीवान के 27 में से 11 थानों में फायर टेंडर

**सीवान।** जान-माल का भारी नुकसान हो रहा है। ज्यादातर किसानों को तबाही का तब सामना करना पड़ता है, जब उनकी खड़ी फसलें और खलिहान जलकर राख हो जाती हैं। जिले में अग्निशमन सेवाओं की सीमित उपलब्धता और संसाधनों की कमी से यह समस्या और गंभीर हो जाती है। सीमित संसाधन और बढ़ती चुनौतियां सीवान का मुख्य अग्निशमन केंद्र शहर में स्थित है, जिससे ग्रामीण इलाकों तक समय पर सहायता नहीं पहुंच पाती। अनुमंडल अग्निशमन पदाधिकारी आशीष कुमार के अनुसार, जिले के 27 थानों में से केवल 11 थानों में ही अग्निशमन की गाड़ियां उपलब्ध हैं। इनमें से ज्यादातर गाड़ियां छोटी हैं, जिनकी जल वहन क्षमता मात्र 400 लीटर पानी और 50 लीटर झाग तक

सीमित है। वर्तमान में सीवान मुख्यालय में एक बड़ी और एक छोटी अग्निशमन गाड़ी है, जबकि महाराजगंज अनुमंडल में 2 बड़ी गाड़ियां उपलब्ध हैं। छोटी गाड़ी पर एक चालक और दो अग्निक तैनात हैं, जबकि बड़ी गाड़ी में एक चालक, एक हवलदार और चार अग्निक की प्रतिनियुक्ति है।अग्निशमन गाड़ियों में पानी भरने की सुविधा सिर्फ मुख्यालय स्थित मुख्य कार्यालय में उपलब्ध है। अन्य गाड़ियों को पानी भरने के लिए पीएचडी टैंकी और स्थानीय सबमर्सिबल पंपों पर निर्भर रहना पड़ता है,

## बाइक सवार कंपाउंडर की सड़क पर गोली मारकर हत्या

**औरंगाबाद।** में बुधवार सुबह अपराधियों ने गोली मारकर एक कंपाउंडर की हत्या कर दी। घटना कुटुंबा थाना क्षेत्र के संडा मटपा पथ में कंठी बिगहा मोड़ के पास की है। मृतक की पहचान थाना क्षेत्र के ही जमुआ गांव के रहने वाले 38 साल के रंजीत पासवान के रूप में की गई। मृतक औरंगाबाद के जाने माने डॉक्टर जन्मेजय कुमार के क्लिनिक में कंपाउंडर था। साथ ही अपना यूट्यूब चैनल चलता था। जानकारी के अनुसार, हर दिन की तरह रंजीत पासवान घर से सुबह 8:30 बजे नाश्ता कर औरंगाबाद जाने के लिए निकला था। 8:58 में जैसे ही कंठी बिगहा मोड के पास पहुंचा, पहले से घात लगाकर बैठे अपराधियों ने उसकी गाड़ी को सड़क किनारे बने एक पुलिया के पास रुकवाया और बातचीत करने लगे। कुछ मिनट तक बातचीत के बाद अपराधियों ने रंजीत के सीने में गोली मार दी, जिसके कारण घटनास्थल पर ही उसकी मौत हो गई। आसपास खेत में काम कर रहे लोग गोली चलने की आवाज सुनकर घटनास्थल पर पहुंचे तब तक अपराधी बाइक पर सवार होकर फरार हो चुके थे। घटना की सूचना स्थानीय पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही कुटुंबा थाना की पुलिस घटनास्थल पर पहुंची तथा मामले की छानबीन में जुट गई है। थानाध्यक्ष अक्षयवार सिंह ने बताया कि एफएसएल की टीम को घटनास्थल पर साक्ष्य संकलन के लिए बुलाया गया है। फिलहाल घटनास्थल पर भीड़ लगी हुई है। काफी संख्या में ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं। पुलिस आवश्यक कार्रवाई में जुटी है।

# पाकिस्तान के नंबर से दरभंगा के युवक को कॉल

## लिंक भेज मोबाइल किया हैक, पैसे नहीं देने पर रिश्तेदारों को न्यूड वीडियो भेजने की धमकी

**दरभंगा।** दरभंगा के एक युवक को साइबर अपराधी पाकिस्तान और मलेशिया के नंबर का यूज कर लगातार ब्लैकमेल कर रहे हैं। युवक से साइबर अपराधियों ने 1850 रुपए भी ऐंठ लिए हैं। साइबर अपराधियों की ओर से युवक के मोबाइल का कांटेक्ट लिस्ट और फोटो-वीडियो गैलरी भी हैक कर लिया गया है। इसके बाद उसके फोटो से न्यूड फोटो और वीडियो बनाकर उसे शेयर किया जा रहा है और पैसे न देने पर युवक के जानकारों के नंबर पर शेयर करने की धमकी दी जा रही है। पीड़ित ने मामले को लेकर साइबर क्राइम के पोर्टल और कमतौल थाना में लिखित शिकायत दी है। पीड़ित 32 साल का ऋषभ राज कमतौल थाना क्षेत्र के रतनपुर का रहने वाला है। उसने बताया कि मेरे स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के अकाउंट में 10 मार्च को किसी ने 1201 रुपया भेज दिया। 7 दिनों बाद पाकिस्तान के एक नंबर से वॉट्सऐप पर मैसेज आया कि अपने लोन लिया था, जिसका एटक बकाया है। एटक की राशि 1850 रुपए उन्हें शाम तक जमा करना होगा। जब ऋषभ ने कहा कि मैंने कोई लोन नहीं लिया है, तो अज्ञात साइबर अपराधी की ओर से एक लिंक शेयर किया गया और कहा गया कि आप खुद चेक कर लीजिए। ऋषभ ने बताया कि जैसे ही मैंने लिंक पर क्लिक किया, मेरा मोबाइल ऑफ हो गया। कुछ समय बाद मोबाइल ऑन किया तो साइबर अपराधियों को फोन आया और कहा कि तुम्हारे मोबाइल का सारा कांटेक्ट लिस्ट और गैलरी का फोटो वीडियो मेरे पास है। अगर शाम तक पेमेंट नहीं करोगे तो तुम्हारे जानने वालों को तुम्हारे और घर के लोगों का न्यूड फोटो शेयर कर दूंगा। फिर भी ऋषभ ने साइबर अपराधी के धमकी को नजरअंदाज किया। इसके बाद साइबर अपराधियों ने उसके नंबर और उसके कुछ जानने वालों के वॉट्सऐप पर न्यूड तस्वीर और वीडियो शेयर करना शुरू कर दिया।

पीड़ित ऋषभ राज ने बताया कि महज 1850 रुपए के लिए वह कोई रिस्क नहीं लेना चाहता था। मामला

रफा दफा करने के लिए उसने बताए गए लिंक पर जाकर 1850 रुपए जमा कर दिए। इसके बाद फिर से साइबर अपराधियों का कॉल आया और उनकी ओर से और पैसों की मांग की जाने लगी। धमकियां भी मिलती रही। आखिरकार ऋषभ ने साइबर क्राइम के पोर्टल पर जाकर साइबर अपराधी की शिकायत दर्ज की। इसके बाद उन्हें मैसेज आया की नजदीकी थाना में इसकी शिकायत करें।

थाना पहुंचने से पहले इंडोनेशिया के नंबर से लोन की EMI भरने का आया मैसेज इससे पहले की ऋषभ थाना पहुंचता, इस बार उसे इंडोनेशिया के एक नंबर से लोन का इएमआई भरने का मैसेज आया। ऋषभ ने अपनी समस्याओं की पूरी जानकारी कमतौल थाना में लिखित शिकायत देकर की और अपराधियों पर कार्रवाई की मांग की है। संबंध में पूछे जाने पर सदर एसडीपीओ 2 ज्योति कुमारी ने बताया कि आजकल साइबर अपराधियों के द्वारा लगातार भोले भाले लोगों को झांसे में लेकर उन्हें टारगेट किया जा रहा है। पीड़ित युवक की ओर से शिकायत मिलने के बाद पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। लोगों को किसी भी अंजान लिंक पर क्लिक नहीं करना चाहिए।

आजकल ऐसी कई घटनाएं देखने को मिल रही है जिसमें साइबर अपराधियों के द्वारा लोगों को बरगला कर उनके फोन में दिए गए लिंक को एक्सेस करने को कहा जाता है। ऐसा करते ही मोबाइल का डेटा साइबर अपराधी चुरा लेते हैं और उसका भय दिखाकर रुपए ऐंठने का प्रयास करते हैं। ऐसे साइबर अपराधियों से लोगों को सावधान रहने की जरूरत है।

## संक्षिप्त डायरी

### मंत्री बोले-राजेश को जिताने के लिए नीतीश के पैर पकड़े

हार प्रदेश कांग्रेस कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। पार्टी आला कमान की ओर से मंगलवार शाम को इसकी घोषणा की। अनुसूचित जाति से आने वाले राजेश कुमार मूल रूप से ओबरा के रहने वाले हैं। इस बीच कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अखिलेश सिंह के बेटे आकाश कुमार सिंह ने इशारों में पार्टी पर निशाना साधा है। आकाश ने रामधारी सिंह दिनकर की कविता से एक लाइन लेते हुए फेसबुक पर लिखा, 'जब नाश मनुज पर छाता है, पहले विवेक मर जाता है। इधर, कांग्रेस के नए प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार के सवाल पर बुधवार को विधानसभा के बाहर जदयू अशोक चौधरी ने कहा, 'उनको जिताने के लिए मैने नीतीश कुमार के पैर पकड़े थे। ललन भुइयां का टिकट काटकर कमजोर नेता को टिकट दिलवाया।' राजेश कुमार के पिता दिलकेश्वर राम भी कांग्रेसी थे। बिहार की राजनीति में दिलकेश्वर राम का भी खासा दबदबा था। वे दो बार देव विधानसभा से विधायक चुने गए और मंत्री भी बने थे। दिलकेश्वर राम पहली बार 1980 में विधायक चुने गए और मंत्री भी बने। उन्हें कृषि और सहकारिता विभाग मिला था। 5 साल बाद यानी 1985 के विधानसभा चुनाव में भी दिलकेश्वर राम ने चुनाव जीता और बिहार के स्वास्थ्य मंत्री बने। वन एवं उत्पाद विभाग का भी अतिरिक्त प्रभार उन्हें दिया गया। वे तत्कालीन मुख्यमंत्री भागवत झा आजाद के काफी करीबी माने जाते थे। दलित वर्ग के अलावा अन्य वर्गों में भी उनकी गहरी पैठ थी। कहा जाता है कि स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए उन्होंने बिहार में स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर काम किया।जिले में अधिकांश रेफरल अस्पताल और अतिराजेश कुमार कांग्रेस पार्टी के वफादार माने जाते हैं। विकट परिस्थितियों में भी वह पार्टी के साथ मजबूत स्तंभ के रूप में खड़े रहे। कई बार पार्टी से नाराजगी भी हुई लेकिन उन्होंने इसका इजहार तक नहीं किया। करीबी बताते हैं कि दो बार मंत्रिमंडल की लिस्ट में इनका नाम आया लेकिन उन्हें मंत्री नहीं बनाया गया। समर्थकों ने पार्टी छोड़ने को कहा तो उन्होंने दो टूक शब्दों में कहा कि सदाकत आश्रम में झाड़ू लगाऊंगा, लेकिन कांग्रेस पार्टी नहीं छोड़ूंगा। यहां से मेरे पिता की यादें जुड़ी हैं।

### अपराधी की घर से बुलाकर हत्या, एसिड डाल शव दफनाया

**बेगूसराय।** में बदमाशों ने अपराधी दीपक कुमार उर्फ चिप्पू सिंह (35) की घर से बुलाकर हत्या कर दी। लाश को खेत में दफना दिया था, जिसे आज बरामद किया गया है। दीपक पर हत्या, लूट, रंगदारी के करीब एक दर्जन मामले दर्ज हैं। घटना मटिहानी थाना क्षेत्र के रामदीरी चौधरी टोला की है। मृतक की पहचान रामदीरी चौधरी पट्टी निवासी हरे-कृष्ण सिंह के बेटे के रूप में की गई है।ऐसी चर्चा है कि दीपक के शरीर पर एसिड डाला गया है। घटना की सूचना मिलते ही रP मनीष भी मौके पर पहुंचे। FSL टीम को भी बुलाया गया है। सदर-1 DSP सुबोध कुमार के नेतृत्व में मटिहानी थाने की टीम मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। सिर और शरीर पर चोट के निशानपरिजनों ने बताया कि दीपक को 16 मार्च की रात को गांव के ही तीन लोग घर से बुलाकर ले गए, जिसके बाद वह वापस नहीं लौटा। 17 मार्च को परिजनों ने मटिहानी थाने में दीपक के लापता होने की सूचना दी थी। आपसी रंजिश में दीपक को घर से बुलाकर हत्या कर शव को खेत में दफनाया गया था। परसों रात से ही फोन कर रहे थे, लेकिन रिसीव नहीं हुआ। दीपक, पिछले 3 महीने से दिल्ली में रह रहा था। होली से 10 दिन पहले ही वह घर आया था। 16 मार्च की रात ही हत्या करके लाश को मिट्टी में दफना दिया गया। मृतक के सिर और शरीर पर चोट के निशान हैं। वहीं आज किसान जब खेत की तरफ गए तो खेत में दीपक के शव को दफनाया हुआ देखा। खेत, दीपक के घर से 500 मीटर की दूरी पर है।इस मामले में रढ मनीष ने बताया कि दीपक की हत्या कर शव को डी-कंपोज करने का प्रयास किया गया था। मकई के खेत में शव मिला है। इस मामले में परिजनों ने अपहरण का मामला दर्ज कराया था, मृतक भी अपराधी प्रवृत्ति का था। मृतक का रंगदारी, आर्म्स एक्ट और अन्य मामले से संबंधित आपराधिक इतिहास रहा है। फिलहाल पूरे मामले की जांच-पड़ताल चल रही है।

### मसूर की फसल काटने जा रहे किसान की हत्या

**पटना।** बिहार के बाढ़ अनुमंडल के सकसोहरा थाना क्षेत्र में एक किसान की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। घटना अंदौली गांव के पास की है। मृतक सुबह में मसूर की फसल काटने खेत जा रहा था। मृतक के भाई विनोद सिंह ने बताया कि भाई का शव घर से करीब 100 मीटर दूर लक्ष्मी मंदिर के पास मिला। खेत जा रहे एक मजदूर ने इसकी सूचना परिवार को दी। परिजन तुरंत उन्हें सकसोहरा बाजार स्थित निजी अस्पताल ले गए। वहां से उन्हें बाढ़ के अनुमंडलीय अस्पताल रेफर किया गया। डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। गर्दन पर चोट के निशान जांच में सामने आया कि मृतक के गर्दन पर ईंट से चोट के निशान हैं। परिजनों का आरोप है कि दो अपराधियों ने पहले ईंट से हमला किया। फिर गला दबाकर हत्या कर दी। किसी पुराने विवाद को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस ने शव का पोस्टमॉर्टम कराकर परिजनों को सौंप दिया है। मामले की जांच जारी है। थानाध्यक्ष से संपर्क का प्रयास किया गया। लेकिन, उनका फोन स्विच ऑफ मिला।

### बिजली के तार से ट्रक में लगी आग

**सीवान।** के गोरियाकोठी थाना क्षेत्र में एक हादसा सामने आया है। बांसघाट गांव के पास हाईटेंशन तार की चपेट में आने से एक ट्रक चालक की मौत हो गई। मृतक की पहचान बड़हरिया थाना क्षेत्र के बभनबारा गांव निवासी बहादुर यादव के बेटे गुड्डू कुमार के रूप में हुई है। घटना मंगलवार की देर रात की है। गुड्डू कुमार अपने मामा के यहां से बालू गिराकर वापस अपने घर बड़हरिया थाना क्षेत्र में बभनबरा गांव लौट रहे थे। बांसघाट के पास उनका ट्रक हाईटेंशन तार की चपेट में आ गया। तार के संपर्क में आते ही ट्रक में आग लग गई और गुड्डू ट्रक के गेट से चिपक गए। बिजली विभाग को की थी शिकायत स्थानीय लोगों ने बिजली विभाग को सूचना दी, लेकिन बिजली सप्लाई बंद होने से पहले ही करंट लगने से उनकी मौत हो गई।

# पंजाब में फर्जी सर्टिफिकेट को लेकर बड़ा घोटाला, की गई कड़ी कार्रवाई

पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के नाम पर फर्जी सर्टिफिकेट तैयार करने का बड़ा घोटाला सामने आया है।

मोहाली : पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के नाम पर फर्जी सर्टिफिकेट तैयार करने का बड़ा घोटाला सामने आया है। फेज-8 थाना पुलिस ने मामले की जांच कर कुल 4 लोगों अजय कुमार, कुलदीप सिंह, किशन सिंह और बोर्ड कर्मचारी अवनिंदर पाल सिंह के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पुलिस को मामले की जांच के दौरान और भी खुलासे होने की उम्मीद है। एस.एस. पी. मोहाली को दी गई अपनी शिकायत में पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड के सहायक सचिव ने बताया कि पंजाब फामेर्सी काउंसिल द्वारा यह मामला शिक्षा बोर्ड के संज्ञान में लाया गया था, जिसके तहत फामेर्सी काउंसिल ने दो उम्मीदवारों अजय कुमार और कुलदीप सिंह के सर्टिफिकेट वेरीफाई करने के लिए 2023 में बोर्ड कार्यालय भेजे थे।
बोर्ड द्वारा की गई पहली जांच में उक्त प्रमाण-पत्रों को वैध घोषित किया गया था, लेकिन फामेर्सी काउंसिल द्वारा इन प्रमाण-पत्रों को संदिग्ध पाए जाने पर जब इन्हें दोबारा जांच के लिए पंजाब स्कूल शिक्षा बोर्ड को भेजा गया तो दूसरी रिपोर्ट में दोनों प्रमाण-पत्र फर्जी पाए गए। जांच के दौरान पता चला कि वेरिफिकेशन शाखा में रिकार्ड से छेड़छाड़ की गई थी। दरअसल, 2 सहायकों द्वारा वेरिफिकेशन के लिए प्रमाण पत्र मैन्युअल रूप से प्राप्त किए गए थे, जिन्हें वेरिफिकेशन शाखा के रजिस्टर में दर्ज भी नहीं किया गया था। जब मामले की गहराई से जांच की गई तो अजय शर्मा ने कबूल किया कि कृष्ण सिंह ने 65,000 रुपये के बदले में उसके लिए फर्जी सर्टिफिकेट तैयार किया था।
इसी प्रकार कृष्ण सिंह ने बताया कि उन्होंने यह कार्य बोर्ड के एक कर्मचारी की मदद से किया है, जो दिहाड़ी पर काम करता है। जब जांच अधिकारी ने उसके फोन रिकॉर्ड की जांच की तो पता चला कि कृष्ण सिंह ने उससे कई बार फोन पर संपर्क किया था। जांच के दौरान पता चला कि अजय कुमार और कुलदीप सिंह मोगा ने अपना 12वीं का फर्जी मेडिकल सर्टिफिकेट किशन सिंह निवासी गांव कामवाला, जिला फिरोजपुर के माध्यम से तैयार करवाया था। सर्टिफिकेट प्राप्त करने के बाद उन्होंने पंजाब फामेर्सी काउंसिल से डी. फामेर्सी रजिस्टर करवाने के लिए जब अप्लाई किया तो सर्टिफिकेटों की जांच के लिए दोनों उम्मीदवारों के दस्तावेज शिक्षा बोर्ड कार्यालय भेजे गए।

उस समय बोर्ड की सिंगल विंडो पर वरिष्ठ सहायक अवनिन्द्र पाल सिंह से प्रमाण-पत्र एकत्रित करवाए गए थे। जब बोर्ड ने आगे जांच की तो पाया कि उपरोक्त दोनों मामले वेरिफिकेशन शाखा को प्राप्त नहीं हुए तथा न ही शाखा द्वारा फामेर्सी काउंसिल को इन मामलों की कोई वेरिफिकेशन रिपोर्ट भेजी गई। इससे स्पष्ट है कि यह साजिश आपसी मिलीभगत से अंजाम दी गई थी। इस संबंध में शिक्षा बोर्ड के सहायक सचिव की शिकायत पर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। यदि इस मामले में पुलिस जांच के दौरान किसी अन्य व्यक्ति की भूमिका सामने आती है तो उसे भी शामिल किया जा सकता है या उसकी जांच कर उसे नामजद किया जा सकता है।

## लुधियाना में बड़ी वारदात, बीच सड़क सरेआम लूटा कारोबारी

लुधियाना : लुधियाना में दूध कारोबारी से लूट का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार लुधियाना में गत रात दूध कारोबारी की स्विफ्ट कार को दर्जन के करीब लोगों ने घेर लिया और उस पर तेजधार हथियारों से हमला किया। लुटेरों ने कार सवार दूध कारोबारी व उसके साथियों को घायल कर मोबाइल और सोने की चेन लूट ली। घायलों की पहचान गांव निहाल सिंह वाला निवासी प्रीतपाल सिंह (42) निवासी सिधवां बेट व बंटी (24) के रूप में हुई है। उन्हें इलाज के लिए सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए दूध कारोबारी प्रीतपाल सिंह ने बताया कि वह अपने दोस्तों के साथ फिरोजपुर रोड पर अपनी स्विफ्ट गाड़ी में बैठा था। इतने में हमलावरों ने उसकी गाड़ी से तोड़फोड़ शुरू कर दी। जब उन्होंने विरोध किया तो आरोपियों ने हमला कर सोने की चेन व फोन छीन लिया। इसे लेकर उन्होंने पुलिस को शिकायत दी है और पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

## नव-नियुक्त अध्यापकों की ओर से पारदर्शी तरीके से नौकरियां देने के लिए मुख्यमंत्री की सराहना

लुधियाना, वायरल सच (जसवीर मणकू) : नव-नियुक्त अध्यापकों ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान को उन्हें निष्पक्ष और पारदर्शी तरीके से नौकरियां देने के लिए दिल से धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि इससे उनके लंबे समय से अधूरे सपने पूरे हुए हैं। अपने अनुभव साझा करते हुए बरनाला की गुरजीत कौर ने पारदर्शी तरीके से नौकरियां देने के लिए मुख्यमंत्री का विशेष रूप से धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नौकरी चाहने वालों के सपनों को साकार किया है, जो पिछले पांच वर्षों से नौकरियों के लिए प्रयासरत थे। उन्होंने 'रंगला पंजाब' बनाने के लिए मुख्यमंत्री द्वारा किए जा रहे प्रयासों की भी सराहना की। श्री आनंदपुर साहिब की शिक्षिका सुदेश कुमारी ने कहा कि वे पांच बहनें हैं, जिनमें से चार को सरकारी नौकरी मिली है। उन्होंने कहा कि उन्होंने



सरकारी स्कूल में पढ़ाई की है और यह गर्व की बात है कि पूरी भर्ती प्रक्रिया पारदर्शिता और निष्पक्षता के साथ पूरी हुई है।
लुधियाना के सुक्खा राम ने कहा कि यह भर्ती लंबे समय से प्रक्रिया अधीन थी, लेकिन मुख्यमंत्री के हस्तक्षेप के कारण उन्हें नौकरी मिली है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकारों ने आम आदमी की परेशानियों की कभी परवाह नहीं की, लेकिन इस सरकार ने उनके माता-पिता के सपने को साकार किया है।
मानसा के गुरविंदर सिंह चाहल ने कहा कि वे 2014 से सरकारी नौकरी के लिए प्रयास कर रहे थे, लेकिन इस भर्ती को निष्पक्ष तरीके से करवाने के लिए मुख्यमंत्री के आभारी हैं। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए गर्व और संतोष की बात है कि सरकार ने उन्हें राज्य की सेवा करने का मौका दिया है और अब वे अपनी ड्यूटी अच्छे से निभाएंगे।
गुरदासपुर के मनिंदर सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री ने व्यक्तिगत रूप से भर्ती को केवल मेरिट के आधार पर करवाने का निर्णय लिया। उन्होंने कहा कि पंजाब सरकार हर आम आदमी के सपने को पूरा कर रही है और यह उनके लिए ऐतिहासिक पल हैं।

## पंजाब में नशा तस्करों के घरों पर हो रहे एक्शन के बाद बोले क्रिकेटर हरभजन सिंह



पंजाब : पंजाब सरकार की ओर से नशा तस्करों के घरों पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई जारी है जिसे लेकर राज्यसभा सदस्य और पूर्व क्रिकेटर ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उनका कहना है कि किसी के सिर से छत छीनना सही नहीं है। वह लोगों के घर तोड़े जाने के खिलाफ है।
क्रिकेटर व सांसद सदस्य हरभजन ने कहा कि एक परिवार पर छत होना बहुत महत्व रखता है। अगर कोई सरकारी जमीन पर कब्जा कर कर बैठा है उस पर कार्रवाई मान्य है, सरकार उसे वापिस ले सकती है। यह बिल्कुल सही नहीं है कि हर एक का घर तोड़ा जाएगा। इस मुद्दे को लेकर कानून का सहारा भी लिया जा सकता है कानूनी कार्रवाई का रुख करना चाहिए।
घर तोड़ने के अलावा दूसरा विकल्प ढूंढें, अन्य समाधान तलाशा जाए, न जाने कितनी मेहनत से परिवार ने अपने सिर पर छत खड़ी की होगी। गौरतलब है कि पंजाब सरकार पंजाब में नशे को जड़े से खत्म करने को लेकर प्रतिबद्ध है। सरकार ने नशे के खिलाफ जंग छेड़ी हुई है जिसके चलते युद्ध नशे विरुद्ध मुहिम शुरू की हुई है।
हर रोज उन तस्करों के घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है जिन्होंने नशे से प्रॉपर्टी बनाई है। बता दें कि इसके लिए सरकार ने 4 मंत्रियों के पैनल का गठन किया है। आप के पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा को जिम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं यह भी सामने आया है कि नशा तस्करों के घर को गिराने का मामला पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट में भी पहुंचा है। सरकार की इस कार्रवाई को सुप्रीम कोट्र के आदेश के खिलाफ बताया जा रहा है। कोर्ट में दलील दी गई है कि नशा तस्करों के घरों को जब्त करना उचित है लेकिन गिराना किसी भी स्तर पर सही नहीं है।

## पंजाब के इस गांव की पंचायत का सख्त फरमान, किए बड़े ऐलान

बालियांवाली : ग्राम पंचायत भूंदड़ की बीते दिनों सरपंच सरबजीत कौर पत्नी गुरमीत सिंह निक्का के नेतृत्व में अहम मीटिंग हुई। इस मीटिंग के दौरान पूरी पंचायत द्वारा गांव की भलाई के लिए कई अहम प्रस्ताव पास किए गए ताकि गांव के अंदर भाईचाया और शांतिपूर्ण माहौल बना रहे। इस दौरान कई प्रस्ताव पास किए गए। जिनमें से एक प्रस्ताव में कहा गया कि अगर गांव में कोई लड़ाई-झगड़ा होता है तो सबसे पहले पंचायत के पास आकर मामले को सुलझाया जाए पर अगर कोई पंचायत व गांव के खिलाफ बगावत करके थाने में जाता है तो पंचायत उसकी कोई मदद नहीं करेगी। इसके अलावा गांव में किसी प्रवासी मजदूक की वोट न बनाने को भी फैसला लिया गया है। गुरमीत सिंह निक्का ने बताया कि जो प्रस्ताव पास किए गए हैं उन्में एक यह है कि गांव में अगर कोई व्यक्ति किसी भी तरह का नशा बेचता पकड़ा गया तो उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। कोई भी सरपंच या नंबरदार उसे बचाने के लिए पीछे नहीं जाएगा। अगर कोई नशा बेचने वाले की जमानत करवाएगा तो उसका भी बायकाट किया जाएगा।
गांव में अवाजें देकर सामान बेचने



वालों के लिए चिप लगा कर आवाजें देना बंद किया गया है और सिर्फ वह खुद ही आवाज लगा कर सामान खरीद या बेच सकते हैं। अगर कोई कबाड़ी चोरी का सामान लेता पकड़ा गया तो पिछले चोरी हुए सामान का आरोप भी उस पर ही लगाया जाएगा। पंचायत की संपत्ति चोरी करने या सरकारी संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने वालों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाएगी। इसके अलावा कोई भी दुकानदार अपनी दुकान पर कैफीनयुक्त पेय पदार्थ नहीं बेचेगा तथा किसी भी दुकानदार को 18 वर्ष से कम आयु के किसी भी युवक को तंबाकू-सिगरेट बेचने की अनुमति नहीं है। इस बीच प्रस्ताव में जनरल लोगों के लिए महंतों को बधाई 2100 रुपये और एस.सी. बी.सी. समुदाय के लिए 1100 रुपये तय की गगई है। वहीं गांव की गलियों या फिरनी से मिट्टी, ईंटे, बजरी न उतारने के लिए भी कहा गया है।
अगर कोई व्यक्ति अब भी इन चीजों को सड़क या फिरनी से हटाचा है, तो उसे 1-2 दिन के अंदर जगह खाली करनी होगी। अंतिम प्रस्ताव में यह निर्णय लिया गया कि गांव में आम संग्रह के अलावा किसी भी बाहरी व्यक्ति या संगठन को पंचायत से परामर्श किए बिना कोई संग्रह करने नहीं दिया जाएगा। ये प्रस्ताव पूरी ग्राम पंचायत द्वारा सर्वसम्मति से पारित किये गये हैं। इस मौके पर सभी पंच करम सिंह, लखवीर सिंह, भोला सिंह, जगसीर सिंह, मलकीत सिंह, पाल कौर, सरबजीत कौर व मनजीत कौर मौजूद थे।

# गैर-लोकतांत्रिक सीमाओं का विरोध करने के लिए 'आप' समान विचारधारा वाली पार्टियों से हाथ मिलाएगी

लुधियाना, वायरल सच (जसवीर मणकू) : युवाओं को सरकारी नौकरियां देने में एक नया मील का पत्थर स्थापित करते हुए, मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार ने सत्ता संभालने के मात्र 36 महीनों के भीतर राज्य के युवाओं को 52,606 नौकरियां प्रदान कर इतिहास रच दिया है। आज यहां गुरु नानक देव भवन में 951 ई.टी.टी. शिक्षकों को नियुक्ति पत्र सौंपने के लिए आयोजित समारोह में संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने सभी नव-नियुक्त शिक्षकों को इस उपलब्धि के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह कदम पंजाब के सामाजिक और आर्थिक विकास को नई ऊंचाइयों तक ले जाने में सहायक होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार पंजाब के समग्र विकास के लिए अथक परिश्रम कर रही है, जिसके लिए योग्य युवाओं की आवश्यकता है। इस लक्ष्य को पूरा करने के लिए पंजाब सरकार ने व्यापक भर्ती अभियान शुरू



किया है ताकि राज्य को विकास की नई दिशाओं में अग्रसर किया जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं एक शिक्षक के बेटे हैं और भली-भांति जानते हैं कि शिक्षक राष्ट्र निमार्ता होते हैं, जो विद्यार्थियों को अधिकारी, इंजीनियर, डॉक्टर और अन्य नेता बनने के लिए तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूलों के शिक्षक अत्यधिक योग्य और सक्षम हैं, लेकिन पिछली सरकारों ने उन्हें कुछ गैर-शैक्षणिक कार्यों में भी लगा दिया था। मुख्यमंत्री ने आश्वस्त किया कि उनकी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि शिक्षकों की सेवाओं का उपयोग केवल शिक्षण कार्यों के लिए ही किया जाए। उन्होंने कहा कि पहले स्कूल खाली रहते थे, लेकिन स्कूलों के सामने पानी की टंकियों पर शिक्षक धरना देते थे, क्योंकि वे अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे थे। हालांकि, उनकी सरकार ने युवाओं को नौकरियां देकर इस प्रवृत्ति को बदल दिया है, जिससे अब शिक्षक विद्यार्थियों को पढ़ा रहे हैं
और राज्य के विकास में अहम योगदान दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले राज्य की जमीनी हकीकत से अनजान कॉन्वेंट स्कूलों में पढ़े-लिखे नेताओं ने इस महत्वपूर्ण क्षेत्र की अनदेखी कर दी थी, जिससे पंजाब विकास की दौड़ में पीछे रह गया था।

## खबर एक्सप्रेस

### पंजाब की सेंट्रल जेल में जबरदस्त हंगामा, प्रशासन के फूले हाथ-पांव

लुधियाना : लुधियाना की सैंट्रल जेल में एक कैदी पर जानलेवा हमला होने पर हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, सैंट्रल जेल की एक बैरक में बंदियों के 2 ग्रुपों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया। इस दौरान एक हवालाती के सिर पर तेजधार हथियार लगने से गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल हवालाती को तुरन्त इलाज के लिए जेल गार्द सिविल अस्पताल लेकर आया। घायल हवालाती की पहचान तरुण के रूप में हुई है। जेल प्रशासन मामले की जांच कर रहा है।

### पंजाब के इंजीनियरिंग स्टुडेन्ट का कारनामा जान रह जाएंगे दंग, पुलिस ने दोस्त सहित किया काबू

गुरदासपुर : पंजाब में एक इंजीनियरिंग छात्र का बड़ा कारनामा सामने आया है। सिटी पुलिस तथा स्पैशल विंग पुलिस ने इंजीनियरिंग कर रहे छात्र सहित 2 आरोपियों को काबू कर उनसे 2 पिस्तोल, 2 मैगजीन तथा एक जिन्दा कारतूस बरामद किया। इस संबंधी डीएसपी सिटी मोहन सिंह ने पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि स्पैशल टीम के सब इंस्पेक्टर गुरविन्द्र सिंह व सिटी पुलिस ने जेल रोड़ पर त्रेहन पैट्रोल पंप के पास नाकाबंदी कर रखी थी। इस दौरान शक के आधार पर 2 युवकों को रोक कर पूछताछ की गई तो आरोपियों ने अपनी पहचान हरकीरत सिंह पुत्र परगट सिंह निवासी नजदीक फिश पार्क गुरदासपुर तथा नीतिश गनवारिया पुत्र तरलोक कुमार निवासी बेरियां मोहल्ला गुरदासपुर बताई.इस दौरान दोनों युवकों की तालाशी लेने पर इनके पास से 2 पिस्तोल, 2 मैगजीन तथा एक जिन्दा कारतूस बरामद हुआ। आरोपियों में से हरकीरत सिंह इस समय स्थानिय एक कालेज में इंजीनियरिंग का प्रथम वर्ष का छात्र है जबकि नीतिश कुमार बेरोजगार है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों को अदालत में पेश कर रिमांड लेकर गहनता से पूछताश की जाएगी ताकि यह पता चल सके कि यह हथियार यह कहां से लेकर आए है तथा क्यों लेकर आए हैं। इस मौके पर डी एस पी मोहन सिंह के साथ सिटी पुलिस स्टेशन प्रभार इंस्पेक्टर गुरमीत सिंह तथा स्पैशन ब्रांच के इंचार्ज सब इंस्पेक्टर गुरविन्द्र सिंह भी थे।

### पंजाब में ड्राइविंग लाइसेंस को लेकर जरूरी खबर, खड़ी हुई नई मुसीबत

लुधियानाः ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने वालों को बड़ी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है, क्योंकि सरकारी कॉलेज स्थित ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक पर सर्वर मंगलवार सुबह से ही डाउन है। इस कारण पूरे दिन ट्रैक पर कोई काम नहीं हो सका। देर शाम तक भी सर्वर नहीं चल पाया। इस कारण आवेदक पूरा दिन परेशान नजर आए। सर्वर ठप्प होने की वजह से पूरा दिन पक्के लाइसैंस से जुड़े कोई भी कार्य नहीं हो पाए। कई आवेदकों ने लाइसैंस संबंधी अप्वाइंटमैंट ले रखी थी, वह दिन भर सरवर चलने का इंतजार करते रहे मगर कोई भी फायदा नहीं हुआ। देर शाम को उन्हें बैरंग लौटना पड़ा। इस वजह से आवेदकों को खासी परेशानी उठानी पड़ी।

### जांलधर के इस इलाके में सुबह-सुबह मचा हड़कंप, मामला जान कांप उठेगी रूह

जालंधर : जालंधर के एक बेहद ही शर्मनाक घटना सामने आई है। मिट्ठापुर के पास एक खेत में नवजन्मे बच्चे का भ्रूण बरामद हुआ जिसके बाद पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। मिली जानकारी के अनुसार, बच्चे का भ्रूण को आज सुबह की किसी द्वारा कपड़े में लपेट कर खेत में फेंका गया है। सबसे पहले इस भ्रूण को खेत में काम करने गए सुरिंदर सिंह नाम के व्यक्ति ने देखा था, जिसके बाद उसने गांव के बड़े लोगों को आकर बताया। सभी ने इस संबंधी जानकारी पुलिस कंट्रोल रूम में दी। मौके पर पहुंच कर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि, आरोपी की पहचान नहीं हो पाई है। फिलहाल पुलिस ने बच्चे के शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल जालंधर में भेज दिया है। इस संबधी जानकारी देते हुए सुरिंदर कुमार निवासी मिट्ठापुर ने बताया कि जब सुबह गाय के लिए चारा काटने खेत आया तो एक नीले रंग के कपड़े में बच्चे का भ्रूण पड़ा हुआ था। बच्चे का भ्रूण एकदम ताजा लग रहा था। सुरिंदर ने आगे बताया कि कल तक तो यहां पर कुछ नहीं था। पुलिस को मामले में आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।वहीं दूसरी पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही। एएसआई बलविंदर सिंह ने बताया कि हमें पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली थी कि उक्त जगह एक भ्रूण मिला है। मौके पर जांच के लिए पहुंचे तो बच्चा मरा हुआ था। मौके से कोई फिलहाल सीसीटीवी नहीं मिला है। ये भ्रूण ताजा लग रहा है, किसी ने आज सुबह ही इस यहां पर फेंका है। अगर पहले से पड़ा होता तो कुत्ते उक्त खा चुके होते, मगर ऐसा कुछ नहीं हुआ है। मामले की जांच के बाद पुलिस द्वारा अगली कार्रवाई की जाएगी।

### पंजाब के इस एयरपोर्ट को लेकर अहम खबर, जल्द मिलेगी खुशखबरी

जालंधर/चंडीगढ़ : सांसद संजीव अरोड़ा ने कहा है कि हलवारा एयरपोर्ट अगले 2-3 महीनों में चालू हो जाएगा और इसके लिए वह लगातार प्रयास कर रहे हैं। आज उन्होंने आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरङ्कषवद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान की उपस्थिति में कहा कि एयरपोर्ट चालू होते ही लुधियाना का विकास और तेजी के साथ होगा।
सांसद संजीव अरोड़ा ने कहा कि लुधियाना के विकास को लेकर ह्यआपह्न सरकार द्वारा कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी जा रही है। लुधियाना की सभी सडकों को अगले 2 महीनों में अपग्रेड कर दिया जाएगा और साथ ही इस बार गर्मियों में लुधियाना के लोगों को बिजली की कमी का सामना नही करना पड़ेगा क्योंकि तेज रफ्तार से लुधियाना के अंदर 200 से अधिक नए ट्रांसफार्मर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नवीकृत सिविल अस्पताल में डाक्टरों की कमी है और इसे जल्द ही दूर कर दिया जाएगा क्योंकि मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा है कि इस संबंध में प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि सिविलअस्पताल का नवीकरण इस तरह से किया गया है कि अब भविष्य में लोग अपना इलाज करवाने के लिए प्राइवेट अस्पतालों में नहीं जाएंगे बल्कि वह सिविल अस्पताल आएंगे। दुख की बात है कि पिछले अनेकोंवर्षों में सिविल अस्पताल की किसी भी सरकार ने सुध नहीं ली थी। उन्होंने कहा कि अकेले एयरपोर्ट बनने से ही लुधियाना की जी.डी.पी. 5 प्रतिशत बढ़ जाएगी। उन्होंने कहा कि सिविल अस्पताल को नया रूप देने में समय इसलिए लग गया क्योंकि न तो सीवरेज की हालत अच्छी थी, न अच्छे शौचालय बने हुए थे और न ही अन्य सुविधाएं थी।

# धरती पर लौटीं सुनीता विलियम्स, पृथ्वी पर लौटने का हर पल का सिलसिला

**नई दिल्ली/ भव्य खबर/ एजेंसी/ रमण श्रीवास्तव ।** भारतीय मूल की अमेरिकी एस्ट्रोनॉट सुनीता विलियम्स और बुच विल्मोर 9 महीने 14 दिन बाद पृथ्वी पर लौट आए हैं। इनके साथ क्रू-9 के दो और एस्ट्रोनॉट अमेरिका के निक हेग और रूस के अलेक्सांद्र गोरबुनोव भी हैं। उनका ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट भारतीय समयानुसार 19 मार्च को सुबह 3:27 बजे फ्लोरिडा के तट पर लैंड हुआ। ये चारों एस्ट्रोनॉट मंगलवार (18 मार्च) को इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (क्रर) से रवाना हुए थे। स्पेसक्राफ्ट के धरती के वायुमंडल में प्रवेश करने पर इसका तापमान 1650 डिग्री सेल्सियस से ज्यादा हो गया था। इस दौरान करीब 7 मिनट के लिए कम्युनिकेशन ब्लैकआउट रहा, यानी यान से संपर्क नहीं रहा। आपको बता दे कि बीते साल जून में महज आठ दिनों के लिए अंतरराष्ट्रीय स्पेस स्टेशन पर गए ये दोनों एस्ट्रोनॉट नौ महीनों बाद लौट पाए हैं. बोइंग का जो स्टारलाइनर यान उन्हें वापस धरती पर लाने वाला था वो खराब हो गया था इसलिए उन्हें इतना लंबा इंतजार करना पड़ा. उन्हें आखिरकार एलन मस्क की कंपनी स्पेसएक्स का ड्रैगन कैप्सूल फ्लोरिडा के तट पर सुरक्षित रूप से उतारा. समुद्र में गिरने के बाद कैप्सूल के चारों ओर जिज्ञासु डॉल्फिनों का एक समूह चक्कर लगा रहा था. अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेस स्टेशन से धरती पर पहुँचने में 17 घंटों का लंबा वक्त लगा. ये यात्रा और कैप्सूल के स्पलैशडाउन करने के बाद क्या-क्या हुआ? भारतीय समयानुसार तड़के 3 बजकर 27 मिनट पर चार अंतरिक्ष यात्रियों को लाने वाला कैप्सूल फ़्लोरिडा के तट के पास समंदर में गिरा. समंदर के सतह पर आने के बाद कंट्रोल सेंटर की ओर से अंतरिक्ष यात्रियों का स्वागत करते हुए कहा गया, निक, एलेक, बुच, सुनी..स्पेसएक्स की ओर से घर वापस आने का स्वागत है. कमांडर निक हेग ने खुशी जाहिर करते हुए जवाब दिया, कैप्सूल में सभी के चेहरे पर मुस्कुराहटों से भरा है. इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) से पृथ्वी तक आने का सफर लगभग 17 घंटे का था. पृथ्वी के वायुमंडल में प्रवेश करते समय ड्रैगन कैप्सूल की रफ़्तार 17000 मील प्रति घंटा थी जिसे कुछ मिनटों के अंतराल में तेजी से धीमा किया गया. इससे पहले मंगलवार को सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर के साथ दो और अंतरिक्ष यात्री निक हेग और रूसी अंतरिक्ष यात्री लेग्जेंडर गोबूनीव ने बाकी अंतरिक्ष यात्रियों से विदा लिया था. निक हेग और गोबूनीव पिछले साल सितंबर में स्पेसएक्स के ड्रैगन कैप्सूल के जरिए छह महीने के अंतरिक्ष मिशन पर आईएसएस पर पहुंचे थे. जब कैप्सूल धरती के वायुमंडल में प्रवेश किया तो कम्युनिकेशन ब्लैकआउट हो गया था जोकि करीब तीन बजकर 20 मिनट पर फिर से बहाल हुआ. वायुमंडल में प्रवेश के बाद अंतरिक्ष यान के प्लाज्मा शील्ड का तापमान 1927 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया था लेकिन हीट शील्ड सवार अंतरिक्ष यात्रियों को इतनी तेज गर्मी से बचाने में मददगार साबित हुई. करीब 3 बजकर 21 मिनट पर अंतरिक्षयान ऑटोनोमस यानी स्वचालित हो गया था, यानी अंतरिक्ष यात्री इसे नियंत्रित नहीं कर रहे थे. इस दौरान उनके सामने लगे टच स्क्रीन पर वे सारी गतिविधियों को देख पा रहे थे. करीब तीन बजकर 24 मिनट पर पहले ड्रैगन कैप्सूल के दो पैराशूट खुले जिससे इसकी रफ़्तार और धीमी हो गई. इस दौरान एक जोर का झटका लगा और कैप्सूल की रफ़्तार और धीमी हो गई. इसके बाद दो और पैराशूट खुले. जिस समय कैप्सूल समंदर में उतरा, उसके ठीक बाद ही पानी में कैप्सूल के चारों ओर डॉलफि न चक्कर लगाती हुई तैरती दिखीं. मौके पर मौजूद रिकवरी टीम फास्ट बोट्स से कैप्सूल तक पहुंची और पहले सुरक्षा का जायजा लिया और पैराशूट हटाया. इसके बाद स्पेसएक्स का रिकवरी पोत पहुंचा, जोकि लैंडिंग साइट से दो मील ही दूर पर रुका हुआ था. जिस समय अंतरिक्ष यान की वापसी हो रही थी, आसमान पूरी तरह साफ नीला था. इसके बाद रस्सियों के सहारे कैप्सूल को सुरक्षा नाव में लाया गया. इसके बाद ड्रैगन का साइड हैच खुला और सारी दुनिया अंतरिक्ष यात्रियों की झलक पाने का इंतजार करने लगी. अरसे बाद ये लोग पृथ्वी पर ताजा हवा में सांस लेने वाले हैं. इसके बाद नासा की लाइव तस्वीरों के जरिए दुनिया भर में लोगों ने सुनीता विलियम्स और उनके साथियों को बाहर निकलते देखा. क्रू के कैप्सूल से निकलने से पहले एक कैमरे ने अंदर की तस्वीरें खींची. इन तस्वीरों में सभी यात्री हाथ हिला कर अभिवादन करते दिखे. क्रू-9 के कमांडर निक हेग ड्रैगन से बाहर निकलने वाले पहले यात्री थे. वो बाहर निकले, कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराए, हवा में हाथ लहराए और आगे निकल गए. कैप्सूल से निकलने से ठीक पहले सुनीता विलियम्स और विलमोर ने कैमरे की ओर हवा में हाथ हिलाकर खुशी जाहिर की. अंतरिक्ष में करीब 286 दिन बिताने के बाद सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर ने धरती पर ताजा हवा में सांस ली. जिस समय वे कैप्सूल से बाहर आ रहे थे उनके चेहरे पर मुस्कान तैर रही थी और कैमरे की ओर देखकर वे लगातार हाथ हिला रहे थे. करीब नौ महीने तक इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन पर रहते हुए इन दोनों यात्रियों ने हर दिन 16 बार सूर्योदय और सूर्यास्त देखा और अंदाजा लगाया जा सकता है कि इससे तालमेल बिठाना उनके लिए कितना चुनौतीपूर्ण रहा होगा. नासा के कॉमर्शियल क्रू प्रोग्राम के मैनेजर स्टीव स्टिच ने बताया कि अंतरिक्ष यात्रियों की सेहत ठीक है. उन्होंने कहा कि अंतरिक्ष यात्री कुछ समय के लिए रिकवरी शिप पर रहेंगे और फिर उन्हें ह्यूस्टन ले जाया जाएगा. उन्होंने अपनी टीम का शुक्रिया कहा और नासा की जरूरतों के मुताबिक खुद को ढालने के लिए अमेरिकी अरबपति एलमस्क की कंपनी स्पेसएक्स की तारीफ की. हालांकि अंतरिक्ष यात्रियों का मेडिकल चेकअप किया जा रहा है और जब यह प्रक्रिया पूरी हो जाएगी इसके बाद परिवार से मिलने की इजाजत मिलेगी. आम तौर पर इसमें एक दिन का समय लगता है. स्टीव स्टिच ने कहा कि वे अंतरिक्ष में रहते हुए बिताए गए अपने समय के बारे में बात करेंगे और फिर छुट्टी पर चले जाएंगे. नासा स्पेस ऑपरेशन मिशन डायरेक्टर्स के डिप्टी एसोसिएट एडमिनिस्ट्रेटर्स जोएल मोंटालबानो ने कहा कि सुनी और बुच ने आईएसएस पर रहते हुए 900 घंटों तक रिसर्च किया और इस दौरान 150 वैज्ञानिक प्रयोग किए. उन्होंने नासा अंतरिक्ष यात्रियों के किए गए प्रयोगों को देश के लिए लाभदायक बताया और उम्मीद जताई कि इस दशक के अंत तक मंगल ग्रह पर इंसान उतारने के नासा के लक्ष्य में ये मददगार साबित होंगे. इसरो के पूर्व साइंटिस्ट डॉ. विनोद कुमार श्रीवास्तव के अनुसार, 2022 में नेचर मैगजीन में कनाडा की एक रिसर्च छपी. ओटावा यूनिवर्सिटी की इस स्टडी में कहा गया कि अंतरिक्ष में रहने के दौरान एस्ट्रोनॉट्स के शरीर की 50 फीसदी लाल रक्त कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं और मिशन के चलने तक ऐसा होता रहता है। यानी शरीर में खून की कमी हो जाती है. इसे स्पेस एनीमिया कहा जाता है. ये लाल कोशिकाएं पूरे शरीर को ऑक्सीजन पहुंचाती हैं. इसी वजह से चांद, मंगल या उससे दूर की अंतरिक्ष यात्राएं करना एक बड़ी चुनौती हैं. हालांकि, ऐसा किस वजह से होता है, ये अब तक एक राज ही है. इसके अलावा, अंतरिक्ष में रहने के दौरान यात्रियों की मांसपेशियां कमजोर हो जाती हैं और हड्डियों में कैल्शियम की कमी हो जाती है. धरती पर लौटने के बाद अंतरिक्ष यात्री कमजोर और थका हुआ महसूस करते हैं. सुनीता के अंतरिक्ष से धरती पर



















कदम रखने के साथ ही वह कुल 286 दिन अंतरिक्ष में बिताने वाली हस्ती बन गई हैं. इसके साथ ही वह एक यात्रा में तीसरी सबसे ज्यादा दिन तक आईएसएस पर बिताने वाली महिला वैज्ञानिक बन गई हैं. इस मामले में सबसे पहले नंबर पर 328 दिनों के साथ क्रिस्टीना कोच हैं. वहीं, पिग्गी वीटस्न 289 दिनों के साथ दूसरे नंबर पर हैं. आईएसएस में एक बार में सबसे ज्यादा 371 दिन अंतरिक्ष यात्री फ्रैंक रूबियो ने बिताए हैं. कुल मिलाकर सबसे ज्यादा दिन बिताने का रिकॉर्ड 675 दिनों के साथ पिग्गी वीटस्न के पास है. विनोद श्रीवास्तव बताते हैं कि अंतरिक्ष में रहने के दौरान अंतरिक्ष यात्रियों के शरीर में हर एक सेकेंड में 30 लाख लाल रक्त कोशिकाएं नष्ट हो जाती हैं. वहीं, जमीन पर यह रफ्तार प्रति सेकेंड दो लाख ही है. हालांकि, अंतरिक्ष के मुकाबले धरती पर हर सेकंड इंसान की 2 लाख लाल रक्त कोशिकाएं नष्ट होती हैं. जमीन में शरीर इसकी भरपाई कर लेता है क्योंकि शरीर धरती के हिसाब से विकसित हुआ है. कई रिपोर्ट के अनुसार, सुनीता और बुच को जिन स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है, उनमें बेबी फीट (एक ऐसी स्थिति जिसमें अंतरिक्ष यात्री अपने तलवों की मोटी त्वचा खो देते हैं), खराब दृष्टि, चलने में कठिनाई और चक्कर आना शामिल हैं. इसमें कहा गया है कि अंतरिक्ष यात्रियों को पृथ्वी पर जीवन के लिए अपने रोजाना के कामकाज को फिर से करने में कई हफ्ते लग सकते हैं. ह्यूस्टन स्थित बेलर कॉलेज ऑफ मेडिसिन ने नोट किया है कि एक बार जब अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी पर लौटते हैं, तो उन्हें तुरंत पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण में वापस समायोजित होने के लिए मजबूर होना पड़ता है, और उन्हें खड़े होने, अपनी निगाह को स्थिर करने, चलने और मुड़ने में समस्या हो सकती है. ठअरअ के अनुसार, अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी यात्रियों के स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है. अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी का ब्लड सकुर्लेशन, संतुलन और हड्डियों के घनत्व पर भी बड़ा प्रभाव पड़ता है. पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण रक्त और शरीर के अन्य तरल पदार्थों को शरीर के निचले हिस्से में

से अक्सर हड्डियों के घनत्व में भारी कमी भी हो जाती है. अंतरिक्ष में हर महीने, अगर अंतरिक्ष यात्री इस कमी को दूर करने के लिए सावधानी नहीं बरतते हैं, तो उनकी वजन सहन करने वाली हड्डियों के घनत्व में एक प्रतिशत की कमी हो जाती है. यानी हड्डियां खोखली होकर कमजोर होने लगती है. इन प्रॉब्लम्स से निपटने के लिए क्रर पर अंतरिक्ष यात्री इसीलिए एक्सरसाइज करते रहते हैं। अंतरिक्ष यात्रियों को शून्य गुरुत्वाकर्षण में होने वाली हड्डी और मांसपेशियों को कमजोर होने से बचाने के लिए ट्रेडमिल या स्थिर साइकिल का इस्तेमाल करवाया जाता है. हर दिन उन्हें वहां पर 2 घंटे एक्सरसाइज करना पड़ता है. ऐसा नहीं करने पर अंतरिक्ष यात्री अंतरिक्ष में महीनों तक तैरने के बाद पृथ्वी पर लौटने पर चलने या खड़े होने में असमर्थ होंगे. पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है. अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी का ब्लड सकुर्लेशन, संतुलन और हड्डियों के घनत्व पर भी बड़ा प्रभाव पड़ता है. पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण रक्त और शरीर के अन्य तरल पदार्थों को शरीर के निचले हिस्से में खींचता है, लेकिन अंतरिक्ष में भारहीनता का अनुभव करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के शरीर के ऊपरी हिस्सों में ये तरल पदार्थ जमा हो जाते हैं, जिससे वे फूले हुए दिखते हैं। इसके अलावा, कानों पर भी असर पड़ता हैपृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का अंतरिक्ष

खींचता है, लेकिन अंतरिक्ष में भारहीनता का अनुभव करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के शरीर के ऊपरी हिस्सों में ये तरल पदार्थ जमा हो जाते हैं, जिससे वे फूले हुए दिखते हैंपृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है. अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी का ब्लड सकुर्लेशन, संतुलन और हड्डियों के घनत्व पर भी बड़ा प्रभाव पड़ता है. पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण रक्त और शरीर के अन्य तरल पदार्थों को शरीर के निचले हिस्से में खींचता है, लेकिन अंतरिक्ष में भारहीनता का अनुभव करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के शरीर के ऊपरी हिस्सों में ये तरल पदार्थ जमा हो जाते हैं, जिससे वे फूले हुए दिखते हैं. इसके अलावा, कानों पर भी असर पड़ता हैपृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का अंतरिक्ष यात्रियों के स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ता है. अंतरिक्ष में गुरुत्वाकर्षण की कमी का ब्लड सकुर्लेशन, संतुलन और हड्डियों के घनत्व पर भी बड़ा प्रभाव पड़ता है. पृथ्वी पर गुरुत्वाकर्षण रक्त और शरीर के अन्य तरल पदार्थों को शरीर के निचले हिस्से में खींचता है, लेकिन अंतरिक्ष में भारहीनता का अनुभव करने वाले अंतरिक्ष यात्रियों के शरीर के ऊपरी हिस्सों में ये तरल पदार्थ जमा हो जाते हैं, जिससे वे फूले हुए दिखते हैं। इसके अलावा, कानों पर भी असर पड़ता है. इसके अलावा, कानों पर भी असर पड़ता है.

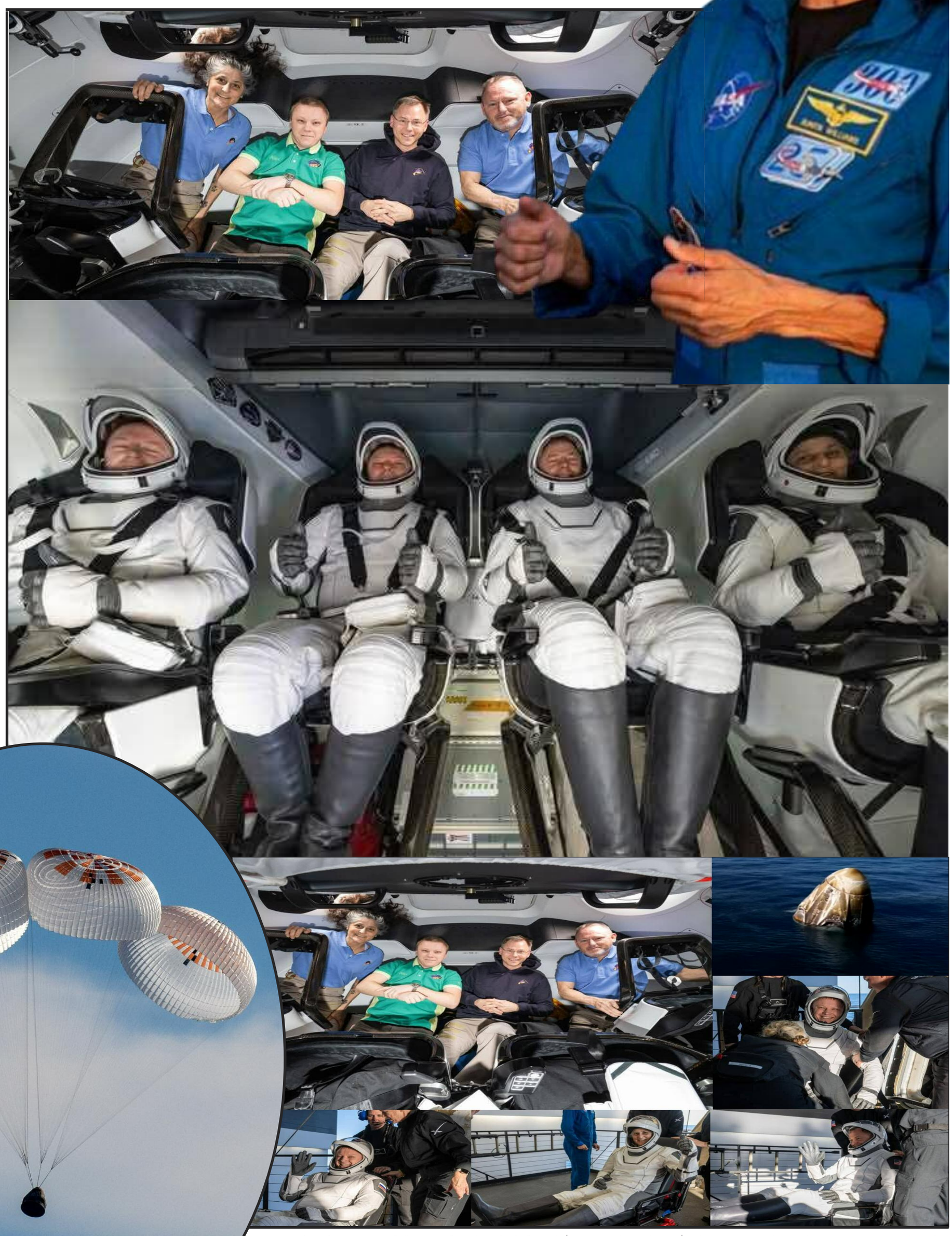

# नयनतारा ने अपने किरदार को लेकर किया खुलासा

साउथ अभिनेत्री नयनतारा इन दिनों अपनी आगामी फिल्म टेस्ट को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। अभिनेत्री ने अब अपनी नेटफ्लिक्स फिल्म टेस्ट में अपने किरदार कुमुधा को पेश किया है। इसके साथ ही उन्होंने फिल्म का टीजर भी जारी किया। नयनतारा ने कुमुधा का किरदार निभाया है, जो एक दृढ़ महिला है, जो एक साधारण जीवन, प्यार से भरा जीवन, एक छोटा सा घर, एक समर्पित पति और एक बच्चे का सपना देखती है। फिल्म में कुमुधा की यात्रा प्रेम और त्याग की कहानी है, जो शक्ति और त्याग से भरी है। चुनौतियों के बावजूद, वह कभी भी अपने सपनों की जिंदगी जीने से पीछे नहीं हटती। अपने किरदार के बारे में बात करते हुए नयनतारा ने टीजर के साथ कैप्शन में लिखा, कुमुधा की ताकत उसके सपनों की सादगी में है- एक घर, एक परिवार और स्थायी प्रेम, लेकिन जीवन उसे ऐसे तरीकों से परखता है,जिसकी उसने कभी उम्मीद नहीं की थी और उसे उन चीजों के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करता है, जो वास्तव में मायने रखती हैं।

इसके अलावा नयनतारा ने अपने किरदार के बारे में खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि वह दर्शकों को टेस्ट में कुमुधा की यात्रा दिखाने के लिए उत्सुक हैं। उन्होंने कहा, उनकी यात्रा को पेश करना अत्यंत मार्मिक था और मैं आशा करती हूं कि दर्शक उनकी हर भावना को महसूस करेंगे। टेस्ट प्रेम, तयाग और अटूट आशा की कहानी है। मैं नेटफ्लिक्स पर सभी को इसका अनुभव देने के लिए इंतजार नहीं कर सकती।

वहीं, जारी हुए टीजर की बात करें तो अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर नयनतारा ने टीजर शेयर किया करते हुए लिखा, इस टीचर के लिए असफलता कोई विकल्प नहीं है। कुमुधा अपनी सबसे चुनौतीपूर्ण परीक्षा का सामना करने वाली है।

शशांक खेतान के निर्देशन में बनी रही फिल्म सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी वरुण धवन और जान्हवी कपूर ने अदाकारी की है। यह फिल्म इस साल की सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। फिल्म को आखिरकार रिलीज की तारीख मिल गई है। होली के कुछ दिनों बाद, निर्माताओं ने रोमांटिक ड्रामा की रिलीज की तारीख का ऐलान किया है। यह फिल्म 12 सितंबर, 2025 को बड़े पर्दे पर आएगी।

## इस तारीख को रिलीज होगी

# जाह्नवी और वरुण की फिल्म शूटिंग हुई पूरी

सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी शशांक खेतान की पिछली फिल्मों जैसे हम्टी शर्मा की दुल्हनिया और इसके सीक्वल बद्रीनाथ की दुल्हनिया की तर्ज पर एक रोमांटिक ड्रामा होगी। इससे पहले, जब टीम ने वरुण धवन और जान्हवी कपूर अभिनीत एक रोमांटिक फिल्म का ऐलान किया था, तो अटकलें लगाई जा रही थीं कि अभिनेत्री आलिया भट्ट की जगह लेंगी। हालांकि, बाद में यह साफ किया गया कि यह फिल्म उस फ्रैंचाइज का हिस्सा नहीं है।

पूरी हो चुकी है फिल्म की शूटिंग

टीम ने पिछले साल सितंबर में उदयपुर में शूटिंग पूरी की थी। रिपोर्ट्स बताती हैं कि निर्माताओं ने पूरी शूटिंग पूरी कर ली है, और फिल्म अभी पोस्ट-प्रोडक्शन में है। सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी का लेखन और निर्देशन शशांक खेतान ने किया है। फिल्म में वरुण धवन और जान्हवी कपूर मुख्य भूमिकाओं में हैं, साथ ही सान्या मल्होत्रा, रोहित सराफ, मनीष पॉल और अक्षय ओबेरॉय भी हैं।

**वरुण धवन का काम**

काम के मोर्चे पर, वरुण के पास कई काम हैं। वरुण हाल ही में बेबी जॉन में देखा गया था, बॉर्डर 2 में सनी देओल और दिलजीत दोसांझ के साथ सह-कलाकार हैं। वह अपने पिता डेविड धवन की अभी तक बिना शीर्षक वाली मनोरंजक फिल्म की शूटिंग के लिए भी तैयार हैं।

**जाह्नवी कपूर का काम**

जान्हवी कपूर के पास भी तीन फिल्में हैं। वह जूनियर एनटीआर-स्टारर की अगली कड़ी में एक गांव की लड़की के रूप में वापसी करेंगी। इसके अलावा, वह परम सुंदरी में सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ नजर आएंगी। इस बीच, जान्हवी ने राम चरण के साथ अपनी दूसरी तेलुगु फिल्म की शूटिंग शुरू कर दी है।

## जॉन की ख्वाहिश अक्षय कुमार संग फिर से करें कॉमेडी फिल्म

हाल ही में एक इंटरव्यू में जॉन अब्राहम ने बताया कि वह अपने दोस्त अक्षय कुमार के साथ एक बार फिर से कॉमेडी फिल्म में काम करना चाहते हैं। इन दोनों कलाकारों ने पहले भी 'गरम मसाला', 'देसी बॉयज' और 'हाउसफुल 2' जैसी कॉमेडी फिल्मों में साथ अभिनय किया है। सभी फिल्मों को दर्शकों ने भी सराहा है।

जॉन को मजेदार कॉमेडी स्क्रिप्ट की तलाश

जॉन अब्राहम कहते हैं, 'मैं कुछ मजेदार काम करना चाहता हूं। मैं दर्शकों को हंसाना चाहता हूं, उनका भरपूर मनोरंजन करना चाहता हूं। जैसे फिल्म गरम मसाला थी, यह कॉमेडी फिल्म मेरे लिए बड़ी खास रही। यही कारण है कि मैं एक खास स्क्रिप्ट की तलाश में हूं, जिसमें मजेदार काम करने को मिले। साथ ही अक्षय कुमार से भी मेरी बातचीत चल रही है। हम लंबे वक्त से फिर से साथ काम करना चाहते हैं। हम एक-दूसरे से काफी इंस्पायर हैं। मैं जल्द ही अक्षय कुमार के साथ फिर से फिल्म करने का बहाना तलाश कर रहा हूं।' जॉन अब्राहम आगे कहते हैं, ' फिल्म 'द डिप्लोमैट' के निर्देशक शिवम नायर को मैंने कॉमेडी फिल्म लिखने को कहा है। वह काफी मजाकिया आदमी हैं। मैंने शिवम को कहा है कि ऐसी फिल्म बनाते हैं, जिसे देखकर दर्शक हंसते पड़े, लोट-पोट हो जाएं। जॉन अब्राहम की हालिया रिलीज 'डिप्लोमैट' को दर्शकों ने पसंद किया है। इस फिल्म में उन्होंने राजनयिक जेपी सिंह की भूमिका निभाई है। फिल्म की कहानी एक भारतीय महिला को पाकिस्तान से बाहर निकालने और बचाने की है।

## फिल्म के लिए सीखी पहलवानी के सारे दांव-पेंच सीरीज में काम आए



एक्ट्रेस अदिति पोहनकर ने आमिर खान की फिल्म 'दंगल' के लिए पहले ऑडिशन दिया था, लेकिन इस फिल्म के लिए वो रिजेक्ट हो गई थीं। हाल ही में एक्ट्रेस ने एक इंटरव्यू के दौरान इस बात का खुलासा किया कि 'दंगल' के लिए उन्होंने जो तैयारियां की थीं वह वेब सीरीज आश्रम के समय काम आया। 'दंगल' महावीर सिंह फोगाट और उनकी बेटियों, गीता फोगाट और बबिता फोगाट की कहानी पर आधारित थी। इस फिल्म के लिए ऑडिशन देने से पहले अदिति पोहनकर पहलवानी सिख रही थी। हरियाणवी बोली के साथ-साथ पहलवानी के सारे दांव-पेंच आजमा रही थीं, लेकिन इस फिल्म में काम करने से चूक गईं।

अदिति पोहनकर ने बताया- भले ही मैं 'दंगल' के लिए रिजेक्ट हो गई, लेकिन उस समय मैंने जो कुछ भी सीखा था। वह आश्रम में काम आया। इस सीरीज में पम्मी पहलवान के किरदार के लिए फिर मुझे ज्यादा मेहनत नहीं करनी पड़ी। जब भी कोई कुछ सीखता है, तो वह कहीं ना कहीं भविष्य में काम आता है।

अदिति पोहनकर ने अपने करियर की शुरुआत 2010 में रिलीज फिल्म 'लव सेक्स और धोखा' से की थी, लेकिन सही मायने में उनकी उन्हें पहचान वेब सीरीज आश्रम से मिली। इस सीरीज का तीसरा पार्ट भी ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम हो चुका है। जिसमें अदिति के परफॉर्मेंस को काफी सराहा जा रहा है।

## शूटिंग के दौरान बेरुखा रवैया दिखाने पर इमरान हाशमी पर भड़का पाकिस्तानी अभिनेता

**बॉलीवुड की कई फिल्मों में नजर आ चुके पाकिस्तानी अभिनेता जावेद शेख ने अभिनेता इमरान हाशमी के साथ अपने काम करने के अनुभवों को साझा किया है। जावेद शेख का कहना है कि इमरान हाशमी के साथ उनके अनुभव अच्छे नहीं रहे और इमरान हाशमी ने फिल्म के सेट पर उनसे अच्छे से व्यवहार नहीं किया।**

एंटरटेनमेंट के एक यूट्यूब वीडियो में जावेद शेख ने 2008 में आई इमरान हाशमी की फिल्म 'जन्नत' के दौरान के अपने अनुभव और इमरान हाशमी के साथ काम करने के अनुभव को साझा करते हुए कहा कि इमरान हाशमी के साथ उनका शूटिंग करने का अनुभव अच्छा नहीं रहा। जावेद शेख ने कहा, फिल्म के निर्माता महेश भट्ट थे और उन्होंने फिल्म का निर्देशन करने के लिए एक नए निर्देशक कुणाल को शामिल किया था। जब मैंने फिल्म साइन की तो उन्होंने मुझे फिल्म की पूरी कहानी और सब कुछ समझाया था। हालांकि, मुझे तब तक इमरान हाशमी से मिलने का मौका नहीं मिला था।

# कार्तिक की लव आज कल की असफलता पर इम्तियाज ने की खुलकर बात

इम्तियाज अली की फिल्म लव आज कल (2009) में सैफ अली खान और दीपिका पादुकोण की जोड़ी नजर आई थी। इस फिल्म ने दर्शकों का दिल जीत लिया था। इसके बाद 2020 में इम्तियाज ने इसी नाम से जब एक और फिल्म बनाई तो यह बुरी तरह नाकाम रही। सीक्वल फइल्म में सारा अली खान और कार्तिक आर्यन लीड रोल में थे। हाल ही में इम्तियाज ने इस फिल्म की असफलता पर खुलकर बात की और जिम्मेदारी खुद पर ली।

**इम्तियाज ने बताई फिल्म के न चलने की वजह:** यूट्यूब चैनल गेम चेंजर्स पर बात करते हुए इम्तियाज ने कहा कि लव आज कल 2 में उन्होंने कई गलतियां कीं।

उन्होंने कहा, मैंने फिल्म में बहुत कुछ डालने की कोशिश की, जिससे यह भारी हो गई। फिल्म की सहजता खो गई। यह इतनी जटिल हो गई कि लोग समझ ही नहीं पाए कि क्या हो रहा है।

**कास्टिंग का किया बचाव:** फिल्म की नाकामी के बाद सारा अली खान को उनके अभिनय के लिए आलोचना झेलनी पड़ी थी। सोशल मीडिया पर उन्हें जमकर ट्रोल भी किया गया था।

इस बातचीत में इम्तियाज ने साफ कहा कि असफलता का कारण कास्टिंग नहीं थी। उन्होंने कहा, यह कास्टिंग की वजह से नहीं हुआ। सीक्वल बनाते वक्त एक मजबूत वजह होनी चाहिए। मेरे पास वजह थी, लेकिन मैं उसे ठीक से बता नहीं पाया। फिल्म की पब्लिसिटी में भी यह बात सामने नहीं आई।

**क्या अब भविष्य में सीक्वल नहीं बनाएंगे?:** जब उनसे पूछा गया कि क्या लव आज कल 2 की नाकामी ने उन्हें सीक्वल बनाने से डरा दिया? इस पर इम्तियाज ने जवाब दिया, हां, कुछ हद तक। मेरे पास लव आज कल 2 के लिए नई कहानी थी फिर भी फिल्म नहीं चली।

तो जब तक बहुत जरूरी न हो मैं सीक्वल नहीं बनाना चाहता। लेकिन कभी न कहो कभी- रॉकस्टार 2 बनाना अच्छा हो सकता है। इम्तियाज ने यह भी साफ किया कि वे भविष्य में जरूरत पड़ने पर सीक्वल पर विचार कर सकते हैं।

# द पैराडाइज में खलनायक बनेगा यह दिग्गज अभिनेता

नानी अपने करियर के शिखर पर हैं। उन्होंने लगातार हिट फिल्में दी हैं। वर्तमान में वह एक नहीं, बल्कि दो बहुप्रतीक्षित फिल्मों हिट 3 और द पैराडाइज के लिए तैयार हैं। हाल ही में नानी की एक्शन ड्रामा द पैराडाइज की पहली झलक जारी हुई थी, जिसने काफी चर्चा बटोरी है। इस एक्शन से भरपूर ड्रामा का निर्देशन श्रीकांत ओडेला ने किया है, जिन्होंने पिछली बार नानी के साथ ब्लॉकबस्टर फिल्म दशहरा में काम किया था। अब यह जोड़ी एक बार फिर हिट फिल्म देने की कोशिश कर रही है।

### मोहन बाबू होंगे खलनायक

कुछ दिनों पहले द पैराडाइज का टीजर रिलीज किया गया था। वहीं, अब इस फिल्म के एक और कलाकार की एंट्री की खबर सामने आ रही है, जो फिल्म में खलनायक की भूमिका निभाएंगे। रिपोर्ट्स के अनुसार, साउथ सिनेमा के दिग्गज अभिनेता मोहन बाबू फिल्म में मुख्य खलनायक की भूमिका निभाएंगे।

### मोहन बाबू वर्सेज नानी की कहानी

प्रोडक्शन टीम से जुड़े सूत्र का कहना है कि मोहन बाबू मुख्य प्रतिपक्षी की भूमिका निभाएंगे। यह खबर विशेष रूप से खास है, क्योंकि मोहन बाबू ने तेलुगु फिल्मों में अपनी उपस्थिति काफी कम कर दी है, ज्यादातर अपने बेटों द्वारा निर्मित परियोजनाओं में अभिनय कर रहे हैं। द पैराडाइज में खलनायक की भूमिका निभाने का उनका निर्णय फिल्म के लिए सफल साबित होगा। फिल्म में मोहन बाबू और नानी के बीच दमदार सीक्वेंस देखने को मिलेंगे।

### दो भागों में रिलीज होगी फिल्म

सिकंदराबाद के बैकग्राउंड पर आधारित द पैराडाइज एक बीते युग की अनोखी दुनिया की कहानी बयां करेगी। यह फिल्म एक हाशिए पर पड़ी जनजाति की कहानी है, जिसके अधिकार छीन लिए गए हैं और जो एक नेता में आशा ढूंढती है। नानी और श्रीकांत ओडेला ने फिल्म को बड़े पैमाने पर बनाने की योजना बनाई है और इस परियोजना का प्रीमियर दो भागों में हो सकता है।

## द राजा साब बड़े पर्दे पर कब देगी दस्तक? प्रभास की फिल्म पर आया नया अपडेट

सलार के बाद दर्शकों को प्रभास की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। इस फिल्म का नाम द राजा साहब है। यह एक हॉरर-कॉमेडी ड्रामा है। इसका निर्देशन मशहूर निर्देशक मरुति ने किया है। फिल्म में प्रभास मुख्य भूमिका में हैं। वहीं, निधि अग्रवाल, मालविका मोहनन और रिद्धि कुमार जैसे सितारे अहम किरदार निभाते नजर आएंगे। शुरुआत में द राजा साहब को 10 अप्रैल, 2025 को रिलीज करने की योजना थी। अब मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो निर्माता इस फिल्म की रिलीज डेट को आगे बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक द राजा साब को अगस्त 2025 के मध्य में रिलीज करने की तैयारी की जा रही हैं। खास बात यह है कि फिल्म को कई भाषाओं में रिलीज किया जाएगा ताकि ज्यादा से ज्यादा दर्शकों तक यह अपनी पहुंच बना सके। जल्द ही इसकी आधिकारिक घोषणा होने की उम्मीद जताई जा रही है।

**संजय दत्त भी हैं फिल्म में**

इस फिल्म में बॉलीवुड के दिग्गज अभिनेता संजय दत्त भी एक महत्वपूर्ण किरदार में दिखेंगे। उनकी मौजूदगी की वजह से यह फिल्म और रोमांचक हो गई है। द राजा साहब का निर्माण टीजी विश्व प्रसाद ने पीपल मीडिया फैक्ट्री बैनर के तहत किया है। फिल्म का संगीत मशहूर संगीतकार थमन ने तैयार किया है।

**इन फिल्मों में नजर आएंगे प्रभास**

वर्क फ्रंट की बात करें तो प्रभास जल्द ही कन्नप्पा में नजर आएंगे। फिल्म में वह विशिष्ट भूमिका में हैं। वहीं, उनके पास प्रशांत नील की फिल्म सलार 2 भी है। इसके अलावा वह संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म स्पिरिट में भी काम कर रहे हैं। फिल्म में वह पुलिस अफसर की भूमिका में दिखेंगे।

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक अमृता आर पंडित द्वारा साई प्रिंटिंग प्रेस, बी- 868, न्यू अशोक नगर दिल्ली 110096 से मुद्रित तथा ए-115, गली नंबर 13, नई अशोक नगर, दिल्ली 110096 से प्रकाशित।
संपादक - अमृता आर पंडित, मो 8587969284, Mail ID - live18newsnetworktv@gmail.com सभी विवादों के न्याय क्षेत्र दिल्ली न्यायालय में होगा।